चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 168 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 दिसंबर 2024 बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अविश्वास से गहराया गतिरोध
राज्यसभा में फिर हंगामा

नई दिल्ली. एजेंसी

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी अविश्वास प्रस्ताव नोटिस और अदाणी-सोरोस के मुद्दे पर राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। वहीं लोकसभा में कांग्रेस ने ओम बिरला को चिट्ठी लिखकर सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने की अपील की है। इधर संसद परिसर में एक अनोखे विरोध प्रदर्शन के रूप में कांग्रेस सांसदों ने एनडीए सांसदों को गुलाब का फूल और तिरंगा दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि उपराष्ट्रपति ने सदन की गरिमा को रखा है यह पूरे देश ने देखा है। विपक्ष के लोग न सदन की गरिमा रखते हैं, ना चेयर का आदर करते हैं। आप सदन का सदस्य बनने के लायक नहीं हैं। आपका इंटेंशन हम कामयाब नहीं होने देंगे। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता जॉर्ज सोरोस की भाषा बोलते हैं और जब देश के लिए काम करने की बात आती है तो सभापति के खिलाफ नोटिस देते हैं। सरकार के आरोप पर विपक्षी सांसद नाराज हो गए और नारेबाजी करने लगे। सभापति ने कहा कि सभी को संदन चलाने के लिए सुचारू वातावरण बनाना होगा। बाद में हंगामा थमता न देख सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। ईवीएम को लेकर विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने पर केंद्रीय मंत्री इससे पहले गिरिराज सिंह ने कहा,विपक्ष को जनता के जनादेश को स्वीकार कर लेना चाहिए।.जनता ने उन्हें नकार दिया है। वहीं आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि संसद के न चलने के लिए हमारे भाजपा के साथियों को आइना रखना होगा। दोनों पक्षों को आगे बढ़ना होगा, लेकिन सत्तापक्ष को कुछ ज्यादा आगे बढ़ना होगा।

सदन की कार्रवाई चलाने कांग्रेस की स्पीकर को चिट्ठी

कर्मपथ पर यादव सरकार, राजधानी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम हुआ
जनकल्याण पर्व की शुरुआत, सस्वर गीता पाठ का बनाया विश्व रेकॉर्ड

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मप्र में आज से राज्य की यादव सरकार का जनकल्याण पर्व शुरू हो गया है जो पंद्रह दिन चलेगा। कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर आज से मुख्यमंत्री जन-कल्याण पर्व और जन-कल्याण अभियान का शुभारंभ किया। वहीं आज मुख्यमंत्री ने मप्र में गीता जयंती पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव अंतर्गत लालपरेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पहली बार पांच हजार से अधिक आचार्यों द्वारा गीता के तृतीय अध्याय कर्म योग का सस्वर पाठ किया गया। इसे विश्व कीर्तिमान के रूप में दर्ज कराने की दावेदारी राज्य सरकार ने जताई तथा यहां मौजूद प्रतिनिधियों ने विश्व रिकार्ड बनने की घोषणा और इसका प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और पवित्र धर्मग्रंथ गीता की शिक्षा से प्रदेशवासियों के जीवन को आलोकित करने और सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए गीता जयंती पर बड़े स्तर पर गीता पाठ किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान श्रीमदभगवद पुराण और गौ एवं गोपाल चित्र प्रदर्शनी का संयोजन भी किया गया है। साथ ही साधो बैंड मुंबई द्वारा भक्तिमय गीतों की सुरमई प्रस्तुति दी जा रही है। प्रदेश में आ रहे पर्यटकों और आगंतुकों को गीता की महिमा से अवगत कराने के लिए प्रदेश के होटलों में श्रीमद् भगवद्गीता, वाल्मीकि रामायण और रामचरित मानस की एक-एक प्रति रखने की पहल भी की जाएगी। आज लाल परेड मैदान में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजन के तहत सुबह आठ बजे से कार्यक्रम स्थल के आसपास के कुछ मार्ग परिवर्तित रहे।

सरकार आम लोगों के द्वार

आज से 26 दिसंबर तक चलने वाले जन-कल्याण पर्व और जनकल्याण अभियान के तहत समग्र विकास और जनहित पर आधारित माडल तैयार किया गया है। अभियान में विकास के प्रमुख 4 स्तंभ युवा, नारी, किसान और गरीब के सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिए चिन्हित योजनाओं में शत-प्रतिशत सेचुरेशन के लक्ष्य प्राप्त किए जाएंगे। अभियान में आमजन से जुड़ी शासकीय सेवाओं से संबंधित आवेदकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगे।

पीएम मोदी 24 फरवरी को आएंगे भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को भोपाल आ रहे हैं। सीएम मोहन यादव का न्यौता उन्होंने स्वीकार कर लिया है। इस दिन व भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का शुभारंभ करेंगे। इसमें दुनिया भर के निवेशकों को जुटाने की तैयारी है। मोदी को केन–बेतवा नदी जोडो परियोजना की आधारशीला रखने के लिए भी न्यौता दिया गया था, यह भी उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मोदी इसके पूर्व 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना की नींव रखेंगे। इससे मप्र के 11 जिलों के 40 लाख परिवारों को पीने व सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। यादव ने दिल्ली से झाबुआ में हुए एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा भी है कि पीएम मोदी केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शुभारंभ करने के लिए भी आ सकते हैं। यह कार्यक्रम छतरपुर में प्रस्तावित है। यह पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती पर 25 दिसंबर को हो सकता है।

दिल्ली में आप-कांग्रेस के तालमेल की संभावना खत्म

नईदिल्ली, एजेंसी। कुछ महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होगा। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ÷आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना नहीं है।÷ इससे पहले यह बात सामने आई थी कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन पर बातचीत करीब फाइनल स्टेज में है तथा 15 सीट कांग्रेस के हिस्से जा रही है। मगर केजरीवाल ने एक घंटे के अंदर गठबंधन को लेकर किसी भी उम्मीद को खारिज कर दिया। ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी दो लिस्ट जारी कर दी है।

एलेक्सा हो गई संस्कारी,गाली देने से इनकार !

नईदिल्ली, एजेंसी। एलेक्सा नामक अमेजन का डिजिटल वॉयस असिस्टेंट आजकल अपनी नई समझदारी के चलते चर्चा में है। अब एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बच्ची एलेक्सा को गाली देने के लिए कहती है। इस पर वॉयस असिस्टेंट ऐलेक्सा ऐसे जवाब देती है कि सुनकर लोग बोल रहे हैं- एलेक्सा तो बहुत संस्कारी है ! बच्ची बोलती है- एलेक्सा गाली दो ना। इस पर वॉयस असिस्टेंट का जवाब आता है- गाली तौब-तौबा ! फिर बच्ची तीन चार बार एलेक्सा को गाली देने के लिए बोलती है पर एलेक्सा हर बार एक नया जवाब देती है। कभी वो कहती है- ना जी ना, इस मामले में मैं बहुत संस्कारी हूं, तो कभी बोलती है- फिर मुझे शक्तिमान को सॉरी कहना पड़ेगा।

कोरिया: राष्ट्रपति के दफ्तर पर छापे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के दफ्तर पर छापेमारी की खबरें हैं। जानकारी के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई पुलिस ने उनके दफ्तर पर छापेमारी की।. इससे पहले, 9 दिसंबर को योल के देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। देश के न्याय मंत्रालय के मुताबिक, राष्ट्रपति यून को मार्शल लॉ घोषित करने के लिए उनके खिलाफ शुरू की गई जांच के कारण किसी भी विदेश यात्रा या देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने मार्शल लॉ लगाकर एक हफ्ते से भी कम वक्त में देश को अराजकता में डाल दिया था। विपक्ष उनके खिलाफ एक बार फिर संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए 4 डेज वर्किंग नियम का ऐलान

जन्मदर संतुलित करने का प्रयास

टोक्यो, एजेंसी

आबादी के अनुपात में विसंगति से जूझ रहे जापान ने बर्थ रेट यानी प्रजनन दर में सुधार लाने के लिए एक नई पहल शुरू की है। अगले साल से ऑफिस में यहां 4-डे वर्किंग के नियम लागू किए जाएंगे। टोक्यो से हुई इस शुरूआत में गवर्नर युरिको कोइके ने ऐलान किया कि अगले साल अप्रैल महीने से कर्मचारियों के पास ऑप्शन होगा कि वे सप्ताह में तीन दिन ऑफ ले सकेंगे। पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि लोग अपने बच्चों के पालन-पोषण के चलते बीच में ही अपना करियर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। लोगों के बच्चे पैदा न करने के पीछे यह भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है। कुछ सालों की नीतियों की वजह से देश का प्रजनन दर बेहद खराब हो गया है। सुधार लाने की लिए स्थानीय प्रशासन कई नए तरीके अपनाते रहा है. गवर्नर कोइके ने कहा, ÷इस दौरान हम काम के तरीके, फ्लेग्सिबिलिटी लाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी को बच्चे को जन्म देने या फिर बच्चे की केयर करने की वजह से अपना करियर न छोड़ना पड़े। टोक्यो प्रशासन के मुताबिक, यह योजना उन माता-पिता के लिए भी सहायक होगी जिनके बच्चे प्राथमिक विद्यालय में हैं, उन्हें कम काम करने का विकल्प मिलेगा जिससे उनकी तनख्वाह में भी संतुलित कटौती होगी। जापान का जन्म दर-पिछले साल, जापान में मात्र 727,277 जन्म दर्ज किए गए हैं। यह कमी देश की ओवरटाइम वर्क कल्चर का नतीजा है, जो महिलाओं को करियर और परिवार के बीच चुनने के लिए मजबूर करती है। जापान में लिंग रोजगार विषमता अन्य सम्पन्न राष्ट्रों से अधिक है।

साल 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन बनेगा, चांद पर उतरेगा भारतीय

केंद्रीय मंत्री का ऐलान

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में अब एक और नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा,इसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, 2040 तक हम एक भारतीय को चंद्रमा पर उतार सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 फरवरी को तिरुवनंतपुरम में गगनयान मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा करने के बाद कहा था कि भारत के पास अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनेगा। उनका यह सपना जल्द साकार होता दिख रहा है। अभी तक दुनिया में सिर्फ दो ही अंतरिक्ष स्टेशन हैं। इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन हेतु योजनाओं का अनावरण किया है, जो भारत का पहला अंतरिक्ष स्टेशन बनने के लिए तैयार है। 52 टन वजनी बीएएस शुरू में तीन अंतरिक्ष यात्रियों की मेजबानी करेगा।

मेट्रो एंकर

एनआरसी आने के बाद खंगाला पारिवारिक इतिहास

जौनपुर के मुस्लिम अब तिवारी और ठाकुर सरनेम वाले...!

जौनपुर.एजेंसी

उप्र के जौनपुर में इन दिनों कुछ आश्यर्चजक बदलाव देखने को मिल रहा है। यहां गांव में कुछ मुस्लिम परिवारों ने अपने नाम के साथ दुबे, तिवारी, ठाकुर, कायस्थ उपनाम लिखना शुरू कर दिया है। इसके चलते यह गांव चर्चा है। वहीं इनके परिवार वालों और रिश्तेदारों को विदेश से धमकियां मिल रही हैं। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और एनआरसी के डर की वजह से इन मुस्लिम परिवारों ने ये कदम उठाया है। जौनपुर के डेहरी गांव के 25 मुस्लिम परिवारों का दावा है कि उनके पूर्वज ब्राह्मण और क्षत्रिय थे। सात या आठ पीढ़ी पहले उन्होंने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया। अब अपनी जड़ों और मूल पहचान से जुड़ने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केराकत तहसील के डेहरी गांव में रहने वाले नौशाद अहमद अब नौशाद अहमद दुबे के नाम से जाने जाते हैं। हालांकि उनके दोस्त सालों से उन्हें पंडित बुला ही रहे थे। उन्होंने अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वे ब्राह्मण थे। इसी तरह शेख अब्दुल्ला ने भी अपने नाम के आगे दुबे जोड़ लिया है। बताया जा रहा है कि जब कुछ महीने पहले असम में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाया गया तो शेख ने परिवार का इतिहास खंगालना शुरू किया। बताया जा रहा है कि लगभग 2 साल पहले कुछ लोगों ने अपने पूर्वजों की जड़ तलाशनी शुरू की। जब उनके वंशजों के धर्म हिंदू मिले तो सभी सकते में आ गए। किन्हीं कारणों से उन्होंने इस्लाम कुबूल कर लिया था। जब पुरखे ब्राह्मण मिले तो पहले नौशाद अहमद ने अपना सरनेम बदल कर नौशाद अहमद दुबे कर लिया। लगभग 25 परिवारों के अन्य लोग भी अपने नाम के साथ दुबे, तिवारी, शांडिल्य आदि लगाने लग गए हैं। ब्राह्मणों की तरह ही गाय रख उसकी सेवा करने में लगे हुए हैं।

मगर इस्लाम भी नहीं छोड़ा

इस गांव के बहुत से ऐसे परिवार हैं जिन्होंने हिंदू धर्म वाले टाइटल को अपने नाम के साथ जोड़ तो लिया है मगर इस्लाम नहीं छोड़ा है। इन लोगों का कहना है कि अपनी जड़ों की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने भी मुस्लिम नाम के आगे हिन्दू नाम का टायटल दुबे लिखकर अपने पुरखों से नाता जोड़ लिया है। अब ये सभी बड़े गर्व से कहते हैं कि वे कहीं और के नहीं हैं, भारत के ही रहने वाले हैं।

परिवार के मुखिया ही ब्राह्मण !

हालांकि ऐसा भी नहीं है कि पूरे डेहरी गांव के लोग इससे प्रभावित हुए हैं जिन्होंने अपने नाम में ब्राह्मण टाइटल जोड़ रखा है। अपने पुरखों की खोज के बाद 2 साल पहले नाम के साथ दुबे टाइटल सिर्फ परिवार के मुखिया ने ही जोड़ा है। बाकी किसी ने भी ऐसा नहीं किया है।

सियाराम बाबा ने देह त्यागी

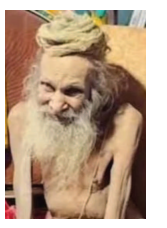

खरगोन। निमाड़ के संत सियाराम बाबा ने आज बुधवार को मोक्षदा एकादशी पर आज सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर देह त्याग दी है। वे कुछ दिनों से बीमार थे, आश्रम में ही उनका इलाज चल रहा था। रात को उनकी हालत काफी कमजोर हो रही थी और उन्होंने कुछ भी नहीं खाया था। दोपहर बाद उनका डोला निकलेगा। बाबा की उम्र सौ वर्ष के आसपास बताई जाती है। आज गीता जयंती भी है। उनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे आश्रम के पास किया जाएगा। मूलतः गुजरात के बाबा यहां कई सालों से नर्मदा भक्ति कर रहे थे। अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री मोहन यादव के भी शामिल होने की संभावना बताई जा रही है। कुछ दिनों पहले बाबा को निमोनिया की शिकायत पर सनावद के निजी अस्पताल में भी भर्ती किया था।फिलहाल आश्रम में ही इलाज चल रहा था। बाबा ने 17 साल की उम्र में उन्होंने आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का फैसला किया था।

मुश्ताक का अपहरण, छूटकर भागे

मेरठ। कॉमेडियन सुनील पाल का अपहरण करने से पहले बिजनौर का गिरोह बॉलीवुड अभिनेता मुश्ताक खान से भी वसूली कर चुका है। यह खुलासा हुआ है कि नवंबर में कुछ लोगों को सम्मानित कराने के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनाने के बहाने मुश्ताक खान को बुलाया गया था। बाकायदा मुंबई से दिल्ली तक का फ्लाइट टिकट भी कराया। दिल्ली एयरपोर्ट से लेने के लिए बिजनौर की स्कॉर्पियो पहुंची। अब मुश्ताक के इवेंट मैनेजर शिवम यादव की तहरीर पर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसमें कहा गया कि स्कॉर्पियो मुश्ताक को मेरठ लेकर आने वाली थी, लेकिन शिकंजी के पास ड्राइवर ने स्कॉर्पियो रोक ली और मुश्ताक को दूसरी गाड़ी में बैठा लिया। कुछ दूर चलने के बाद गाड़ी में दो अन्य लोग भी सवार हो गए।

एंप्री से मिसरोद तक नर्मदापुरम रोड तक हर सवा से डेढ़ किमी में एक ब्रिज मिलेगा

कोलार से कटारा और रायसेन रोड, भेल, आनंद नगर तक जोड़ेगा ब्रिज

शहर की पहली ऐसी रोड बनेगी जिस पर बनाए जाएंगे पांच ब्रिज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। एंप्री से मिसरोद तक नर्मदापुरम रोड शहर की पहली ऐसी रोड बनने जा रही है, जिस पर पांच ब्रिज होंगे। यानी हर सवा से डेढ़ किमी में एक ब्रिज मिलेगा। एंप्री से लेकर मिसरोद तक ये ब्रिज कोलार से कटारा और रायसेन रोड, भेल, आनंद नगर व आगे तक लोगों को जोड़ देंगे। अभी दो ब्रिज है, जबकि नए साल में तीन नए का निर्माण शुरू होगा। नर्मदापुरम रोड शहर का नया सबसे तेज विकसित क्षेत्र है। कनेक्टिविटी बेहतर की जा रही है। अलग-अलग एजेंसियों के प्रोजेक्ट है। बड़ा क्षेत्र होने से कनेक्टिविटी का लाभ का विस्तार भी बड़ा होगा।

सात किमी में कैस बनेंगे छह ब्रिज

एक-दूसरे को क्रॉस करेंगे ब्रिज: ऐसा नर्मदापुरम रोड पर ही एंप्री तिराहा से आनंद नगर बाइपास तक करीब छह किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर तय किया है। इसके रूट और ट्रैफिक को लेकर सर्वे हो चुका है। नेशनल हाइवे इसे बनाएगा। करीब 322 करोड़ रुपए इसके लिए शुरुआती मंजूरी मिली है। ये प्रोजेक्ट पूरा होता है तो अभी नौ की दूरी छह किमी में पूरी हो जाएगी। इस कॉरिडोर से ये समय बमुश्किल 10 से 12 मिनट में सिमट जाएगा।

- एंप्री पर ही वीर सावरकर रेलवे ओवरब्रिज है जो अरेरा कॉलोनी से नर्मदापुरम रोड की आवाजाही सुगम बना रहा है।
- इससे थोड़ी ही आगे बीयू से मिसरोद तक साढ़े पांच किमी लंबी एलिवेटेड लेन बनेगी। इसके लिए अगले माह तक एजेंसी तय करने के निर्देश हुए हैं। 385 करोड़ रुपए के बजट वाले इस प्रोजेक्ट का जमीनी काम नए साल की पहली तिमाही में शुरू हो सकता है।
- बावड़िया स्थित सेज अपोलो हॉस्पिटल से आशिमा तक रेलवे ओवरब्रिज तय है। 140 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट की अड़चने शासन से भी साफ कर दी है। इसका भूमिपूजन काफी पहले ही हो चुका है। इसका जमीनी काम भी नए साल में शुरू हो जाएगा।
- कोलार को सलैया के रास्ते मिसरोद से जोड़ने नया ब्रिज पीडब्ल्यूडी ने प्रस्तावित किया हुआ है। ये बिल्कुल मिसरोद गांव को पार कर नर्मदापुरम रोड थाने के पास ही निकलेगा।
- आशिमा मॉल से मिसरोद तक साढ़े पांच किमी का एलिवेटेड कॉरिडोर पर तीन से चार टियर ब्रिज प्रस्तावित है। अभी सेज से आशिमा ब्रिज को आशिमा तक बढ़ाने पर निर्णय लिया जा रहा है, जिससे ये एलीवेटेड को क्रॉस करेगा। इसपर से ही मेट्रो की मंडीदीप वाली लाइन भी निकलेगी।
- एंप्री से आनंद बाइपास तक एलिवेटेड लेन भी मौजूदा ब्रिज को कनेक्ट व क्रॉस करने की स्थिति बनाएगी। इसकी डिजाइन तय की जा रही है।

सरकार बिजली कंपनियों को 6 हजार करोड़ व मिलर्स को 538 करोड़ देगी

कैबिनेट बैठक में सरकार ने दी मंजूरी, सप्लीमेंट्री बजट और संशोधन विधेयक भी अनुमोदित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकार बिजली कंपनियों को 6 हजार करोड़ और धान की मिलिंग करने वाले मिलरों को 538 करोड़ रुपये देगी। कंपनियों को यह राशि पूंजी निवेश के रूप में देगी। अभी सरकार इन कंपनियों को बैंकों से कर्ज दिलाने में मदद कराती थी और उनका गारंटर बनती थी। मिलरों को यह राशि अपग्रेडेशन का खर्च और प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इन दोनों बड़े प्रस्तावों को सरकार ने मंजूरी दी है। इसके अलावा केंद्र की रूसा योजना के तहत राज्य मद से कॉलेजों को राज्य का अंश देने को भी मंजूरी दी है। वहीं 16 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र के लिए करीब 12 हजार करोड़ के सप्लीमेंट्री बजट और कुछ संशोधन विधेयकों को भी मंजूरी दी है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट बैठक में लिए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि बिजली कंपनियों को सरकार कर्ज लेने के लिए गारंटी देती थी। कंपनियों को भी ब्याज आदि की भरपाई करने में बड़ी पूंजी बैंकों को देनी पड़ती थी। अब सरकार बिजली कंपनियों केंद्र की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत 6 हजार करो? पूंजी निवेश के रूप में दिए जाएंगे। यह राज्य द्वारा दिया जाने वाला 40 फीसद अंश होगा। यह राशि मिलने से कंपनियां कर्ज पर ब्याज के रूप में बैंकों को जो बड़ी रकम चुकाती है, वह राशि बचेगी और उपभोक्ताओं के हितों पर खर्च होगी।

कॉलेजों में केंद्र की राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) योजना के तहत सेमिनार हॉल, क्लासरूम, कौशल विकास केंद्र, करियर सेल, साइंस पार्क, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब आदि का काम होना है। इसके

लिए राशि का एक हिस्सा केंद्र देता है और बाकी का राज्य को देना होता है। राज्य ने इस हिस्से की राशि को देने की मंजूरी दे दी है। इसका फायदा छात्रों को होगा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। वर्तमान में धान खरीदी चल रही है, इसी बीच मिल मालिकों ने बकाया प्रोत्साहन समेत अपग्रेडेशन राशि की भरपाई करने संबंधी मांग रखी थी, उसे भी पूरा किया है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में खरीदी धान की मिलिंग पर प्रति क्विंटल 10 रुपये और प्रोत्साहन राशि 50 रुपये प्रति क्विंटल दी जाएगी। 20 फीसद परिदान एफसीआई को करने पर 40 रुपये और 40 फीसद परिदान करने पर 120 रुपये प्रति क्विंटल अपग्रेडेशन राशि दी जाएगी।

सीएम ने दी मंत्रियों को पीएम से भेंट की जानकारी: सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के पूर्व हुई चर्चा में मंत्रियों को बताया कि पीएम मोदी से उनकी भेंट उत्साहित करने वाली रही। उन्होंने मप्र आने का न्यौता स्वीकार कर लिया है। सीएम ने मंत्रियों से कहा कि 26 दिसंबर को पचमढ़ी में चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। जनकल्याण अभियान और जनकल्याण पर्व भी मनाया जाएगा। मंत्री अपने प्रभार और गृह जिलों में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लें। जिलों में लगने वाले शिविरों में भी आवश्यक व्यवस्थाएं मंत्रीगण द्वारा सुनिश्चित की जाएं। सीएम ने बताया कि नर्मदापुरम में हाल ही में संपन्न रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सफल रहा, जिसमें 31 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। शहडोल में 16 जनवरी को अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी।

अब प्रदेश के स्कूली छात्रों को पढ़ाया जाएगा यातायात के नियमों का पाठ

स्कूल शिक्षा विभाग ने शुरू की कवायद, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने दी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के स्कूली पाठयक्रम में अब यातायात के नियमों को भी शामिल किया जाएगा। स्कूली बच्चों को छोटी कक्षाओं से ही यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसको लेकर कवायद शुरू कर दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि बड़े होने पर कोई चीज सीखने से अच्छा है, बचपन से ही छोटे-छोटे पाठ के माध्यम से बच्चों को सीख दी जाए। बाल मन के समय से ही अगर कोई बात सिखाई जाए तो बेहतर रूप से वह समझ आती है। यातायात के नियमों का पालन कैसे होता ह और कैसे नियमों का उल्लंघन होता है, इन सभी बातों को बच्चों को सिखाना एक अच्छी बात है। नई शिक्षा नीति भी यही कहती है। बहुत सी बातें जैसे संस्कृति बाल मन में ही बच्चों को सिखाई जाए तो वह बिना किसी दबाव के इन सब चीजों को सीख जाते हैं। इसी दिशा में स्कूल शिक्षा विभाग काम कर रहा है।

टैबलेट से स्कूल शिक्षा व्यवस्था पर अब रखी जाएगी पैनी नजर

डिजिटल केपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्टार्स परियोजना में भोपाल में शिक्षकों के लिये 3 दिवसीय डिजिटल केपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण शुरू किया है। यह प्रशिक्षण क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केन्द्र में शुरू हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेश के प्रत्येक जिले से समग्र शिक्षा मिशन के प्रोग्रामर और ब्लॉक एमआईएस समन्वयकों के साथ कुल 312 मास्टर ट्रेनर्स शामिल हो रहे हैं। प्रशिक्षण में मैदानी अमले को टेबलेट से स्कूल शिक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखने की जानकारी दी जा रही है। स्टार्स परियोजना में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्कूल शिक्षा विभाग के मैदानी अमले को टेबलेट उपलब्ध कराये गये हैं। यह प्रशिक्षण 3 स्तरों राज्य, जिला और सम्पूर्ण स्तर पर पूरा किया जायेगा।

वर्ल्ड बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना

प्रदेश में स्ट्रेन्थनिंग, टीचिंग, लर्निंग एण्ड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स (स्टार्स) परियोजना का क्रियान्वयन वर्ष 2020-21 से किया जा रहा है। स्टार्स परियोजना भारत सरकार की वर्ल्ड बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजना है। स्टार्स परियोजना के माध्यम से मुख्य रूप से प्रारंभिक वर्षों की शिक्षा का सुदृढ़ीकरण, सीखने के आंकलन की प्रणाली में सुधार, शिक्षक प्रदर्शन और कक्षागत कार्य में सुधार, सेवा प्रदाय का सुदृढ़ीकरण और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में इसी प्रोजेक्ट में 46 डाइट्स में अर्ली चाइल्डहुड एज्युकेशन कक्ष का विकास किया गया है। इस प्रोजेक्ट में बच्चों में कौशल और नवीन नवाचार प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिये स्किल एक्सपो का आयोजन और बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के उन्मुखीकरण के लिये एक्सपोजर विजिट भी कराया जाता है।

हनुमान चालीसा का पाठ विद्यार्थी हुए सम्मानित

संस्कार स्कूल में हनुमान चालीसा पाठ की परंपरा

हिरदाराम नगर. एजेंसी

दीपमाला पागारानी पब्लिक स्कूल में हर मंगलवार हनुमान चालीसा पाठ की परंपरा पूरी की गई। एक हजार बच्चों के साथ विशिष्ठजनों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में हनुमान चालीसा के पाठ की व्यवस्था है। बसंत चेलानी ने कहा हनुमान चालीसा का पाठ करने से कई फायदे हैं। चालीसा का पाठ करने से राहु, केतु, नक्षत्र आदि ग्रहों का भय दूर होता है। विशेष अतिथि अभिषेक शर्मा ने कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से हमारा मनोबल ब?ता है और हम किसी भी परिस्थिति के लिये तैयार रहते है। इस अवसर पर सिंधी संगत, दुबई द्वारा आयोजित नाटक प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं तैयारी करवाने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर कन्हैयालाल मोटवानी, विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्राचार्या मीनल नरयानी, प्रधानाचार्यचा मृदुला गौतम, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

एमपीपीएससी सेट परीक्षा 15 दिसंबर को

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 15 दिसंबर को आयोजित होगी। इंदौर, भोपाल समेत 10 से ज्यादा जिलों में होने वाली इस परीक्षा में करीब सवा लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। पिछले साल सेट परीक्षा 27 अगस्त को आयोजित हुई थी, जबकि अधिसूचना 9 जनवरी को जारी हुई थी। इस बार 15 मार्च को अधिसूचना जारी की गई थी, और परीक्षा दिसंबर में हो रही है।

पश्चिम मध्य रेल

संकेत एवं दूरसंचार विभाग– खुली निविदा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा सूचना क्रमांक** – जबल–एन–सिंग–टेण्डर–2024–35, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर मंडल के समपार फाटक क्रमांक 242, 292, 295 एवं 301 में आर. ओ.बी. निर्माण में संकेत एवं दूरसंचार संबंधित कार्य (सिग्नलिंग कार्य) **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. में)** – 12836960.23, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये)**– रू. 0.0/–, **कार्यालय का पता** – मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय, जबलपुर, बयाना राशि (रू.में.) – 214200/–, **समापन अवधि (माह)** – 11माह, **निविदा बंद होने एंव खुलने की अंतिम तिथि एंव समय**– दिनांक 09.01.2025 को 15:00 बजे तक बंद होगी एंव 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। **निविदा सूचना क्रमांक**– जबल–एन–सिंग–टेण्डर–2024–34, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– पश्चिम मध्य रेल में जबलपुर मंडल के समपार फाटक क्रमांक 27, 32, 65, 67 एंव 310ए (कटनी–बीना खण्ड) में आर. ओ.बी. निर्माण में संकेत एवं दूरसंचार संबंधित कार्य (सिग्नलिंग कार्य) **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. में)** – 26906154.49, **निविदा फार्म की कीमत (रूपये)**– रू. 0.0/–, **कार्यालय का पता** – मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय, जबलपुर, बयाना राशि (रू.में.) – 284500/–, **समापन अवधि (माह)** – 11माह, **निविदा बंद होने एंव खुलने की अंतिम तिथि एंव समय**– दिनांक 13.01.2025 को 15:00 बजे तक बंद होगी एंव 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एंव दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाईट से ऑनलाईन आवेदन की जा सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चि मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो एंकर व्यापारियों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया, व्यापारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि भी पहुंचे

फाटक रोड पर ओवरब्रिज के नीचे अस्थायी विस्थापन मंजूर नहीं

हिरदाराम नगर. एजेंसी

फाटक रोड के व्यापारियों ने मंगलवार को स्थीय विस्थापन की मांग करने के लिए सड़क पर बैठकर धरना दिया। व्यापारियों ने कहा, सर्विस लेन की चौड़ाई को लेकर स्थिति साफ नहीं है। कहा जा रहा है कि ब्रिज के नीचे अस्थायी रूप से बिठाया जाएगा। धरना स्थल व्यापारियों के साथ कप?ा व्यापारी संघ, पूज्य सिंधी पंचायत के नुमाइंदे, कांग्रेस नेता और जोन के पार्षद भी पहुंचे। व्यापारियों ने कहा कि 50-60 साल से फाटक रोड पर कारोबार कर अपना परिवार पाल रहे थे। ब्रिज बनने के साथ कारोबार चौपट हो गया है। दोनों ओर 15-15फिट सर्विस लेन बनाने की स्थिति सामने आ रही है, ऐसा हुआ तो ज्यादातर दुकानें खत्म हो जाएंगी। सोमवार को निर्माण कार्य देखने आए विधायक रामेश्वर शर्मा ने अस्थायी विस्थापन करने का कहा है। यानी परिवार को पालना आसन नहीं होगा। व्यापारियों के साथ आंदोलन में शामिल हुए पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने कहा, विधायक शर्मा से फोन पर बात हुई है। कल या परसो उनने मिलने का कहा है। स्थायी विस्थापन का आग्रह किया जाएगा। व्यापारियों के बीच जोन के पार्षद राजेश हिंगोरानी, अशोक मारण एवं जोनाध्यक्ष करिश्मा मारन के पति भाजपा नेता विकास मारण पहुंचे। नेताओं ने कहा विधायकजी एवं प्रशासन से स्थायी विस्थापन की मांग करेंगे। थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी ने कहा, व्यापारियों का स्थायी विस्थापन हो, इसके लिए हम उनके साथ हैं। कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने कहा कि कलेक्टर के सामने व्यापारियों की मांग रखी थी। सिंधी सेंट्रल पंचायत भोपाल के लोग भी हमारे साथ थे। अस्थायी विस्थापन की बात करना व्यापारियों के साथ अन्याय है। वैसे तो ब्रिज बनने से पहले विस्थापन होना चाहिए था। बता दें ब्रिज निर्माण कार्य की प्रगति देखने के लिए विधायक रामेश्वर शर्मा ने सोमवार को अधिकारियों के साथ दौरा किया था। दोनों ओर 15 फीट सर्विस लेन बनाने के निर्देश दिए थे। साथ ही सर्विस लेन के लिए प्रभावित होने वाली व्यापारियों को अस्थायी रूप से ब्रिज के नीचे बसाने की बात कही थी। मार्च 2025 तक ब्रिज पर यातायात शुरू करने लक्ष्य रखा गया है।

जनकल्याण पर्व

11 - 26 दिसम्बर, 2024

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान

11 दिसम्बर - 26 जनवरी, 2025

शुभारंभ

गरीब, युवा, किसान एवं महिलाओं की समृद्धि के नये अवसरों का मध्यप्रदेश

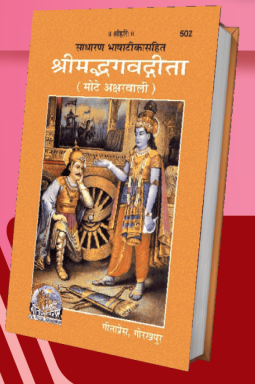

गीता जयंती के अवसर पर

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

7 हजार से अधिक आचार्यों द्वारा सस्वर गीता पाठ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.28 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1572 करोड़

एवं

55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को ₹334 करोड़ का

अंतरण

11 दिसम्बर, 2024 । पूर्वाह्न : 11 बजे

लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

D11114/24

आकल्पना : म.प्र. साहित्य/2024

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

संपादकीय

किसानों की कोशिशें

किसानों का आंदोलनकारी रुख और दिल्ली कूच का इरादा फिर सरकार का तनाव बढा रहा है। किसान अपनी मांगों के साथ आंदोलन करने सड़क पर हैं।अभी तो बेरीकेड और सड़कों पर कीलें लगाकर उनका रास्ता रोक रखा गया है लेकिन यह भी साफ लगता है कि उनकी मांगों और उससे उपजी स्थितियों के प्रति सरकार बहुत ज्यादा सरोकार नहीं रखती। इसीलिये लंबे समय से अपने सवालों पर किसानों के सामने आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा और सरकार इस मसले पर कोई हल निकालने के आश्वासन से आगे कुछ ठोस करती नहीं दिखती। क्या यह सवाल नहीं पैदा होता कि सरकार की नजर में किसानों के मुद्दे विचार के लायक नहीं हैं या फिर वह इसे सुलझाने के लिए ईमानदारी से कुछ करना नहीं चाहती? गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा की शंभू सीमा से एक सौ एक किसानों के जत्थे ने शुक्रवार को दिल्ली के लिए पैदल मार्च करना शुरू किया था, लेकिन वहां उन्हें पुलिस ने निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देकर रोक दिया। इसके बाद हुए हंगामे के बीच पुलिस ने आंसूगैस के गोले छोड़े, जिसमें कुछ किसानों के घायल होने की खबर आई। फिलहाल किसानों ने जत्थे को रोकने की बात कही है। कई इलाकों में इंटरनेट भी निलंबित किया गया। जाहिर है, किसान और सरकार फिर आमने-सामने हैं। हालांकि किसानों के प्रदर्शन के बीच राज्यसभा में सरकार की ओर से इस बात का भरोसा दिलाया गया है कि वह सभी कृषि उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। दरअसल, कर्जमाफी, किसान और खेत मजदूरों के लिए पेंशन और बिजली की दरों में बढ़ोतरी न करने के अलावा किसानों की एक मुख्य मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी लागू करने को लेकर है। इस लिहाज से सरकार की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। मगर क्या केवल आश्वासनों के बूते समस्या का समाधान निकाला जा सकता है? यह समझना मुश्किल है कि किसानों की मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य का सवाल पिछले कई वर्षों से बना हुआ है, इस पर व्यावहारिक कदम उठाने का सिर्फ भरोसा दिया जाता है। जबकि तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर महीनों चले आंदोलन के समय भी इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था। यही वजह है कि किसान अब इस मसले पर कानूनी गारंटी चाहते हैं। जगजाहिर है कि सरकार और किसानों के बीच खींचतान से जो हालात पैदा होते हैं, उससे आम लोग भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं। किसानों के दिल्ली कूच करने या फिर उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस की ओर से किए इंतजामों की वजह से सड़कें बाधित होती हैं। इसका खमियाजा वैसे तमाम लोगों को भुगतना पड़ता है, जो अपने जरूरी काम से गंतव्य की ओर जा रहे होते हैं। सरकार यह सफाई दे सकती है कि आम लोगों का रास्ता किसानों के आंदोलन की वजह से बाधित होता है, लेकिन आखिर किसानों को बार-बार सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आ रही है? क्या सरकार और आंदोलनकारी किसानों की ओर से ऐसे उपाय नहीं किए जा सकते कि रास्ता और आम लोगों की आवाजाही बाधित न हो? सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि किसानों को अपनी मांग रखने का हक है, लेकिन आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली में कोई ऐसी जगह निर्धारित की जा सकती है, जहां किसान भी अपने मुद्दों के साथ प्रदर्शन कर सकें। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सरकार अब किसानों की मांगों को लेकर अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाए और सबकी सहमति पर आधारित कोई स्थायी हल निकाले,किसानों के देश में किसानों सड़क पर आंसूगैस और लाठी खाते अच्छे नहीं लगते वे खेतों में भी अच्छे लगते हैं।

मूर्ख को सलाह देना, दुराचारी स्त्री की देखभाल करना और सुस्त और दुखी व्यक्ति की संगति करना अविवेक है।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 2014- संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मंजूरी दी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में इसका प्रस्ताव रखा था।
- 2007- उत्तर व दक्षिण कोरिया के मध्य 50 वर्ष बाद रेल सेवा पुनः प्रारम्भ।
- 2003- मेरिदा में पहले भ्रष्टाचार निरोधक समझौते पर 73 देशों ने हस्ताक्षर किये।
- 2002- स्पेन के नौसैनिकों ने अरब सागर में उत्तर कोरिया के जहाज को पकड़ा, इसमें स्कड मिसाइलें लदी थीं।
- 1998- 23वें काहिरा अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोह में तमिल फ़िल्म 'टेररिस्ट' सर्वश्रेष्ठ भूमिका के लिए आयशा धारकर को ज्यूरी का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया गया।
- 1997- ग्रीन हाउस देशों के उत्सर्जन में कटौती के लिए विश्व के सभी देश सहमत।
- 1994- रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने चेचेन विद्रोहियों पर हमले का आदेश देकर उनके इलाके में सेना भेज दी।
- 1983- जनरल एच.एम.इरशाद ने खुद को बांग्लादेश का राष्ट्रपति घोषित किया।
- 1964- संयुक्त राष्ट्र के यूनिसेफ की स्थापना हुई।
- 1960- बाल विकास में लगी अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनिसेफ़ के सम्मान में भी 15 नये पैसे का विशेष डाक टिकट जारी किया गया।
- 1946- डॉ.राजेन्द्र प्रसाद भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। यूरोपीय देश स्पेन को संयुक्त राष्ट्र से निलंबित किया गया।
- 1941- जर्मनी और इटली ने अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।

आज का कार्टून

साभार : माधव जोशी

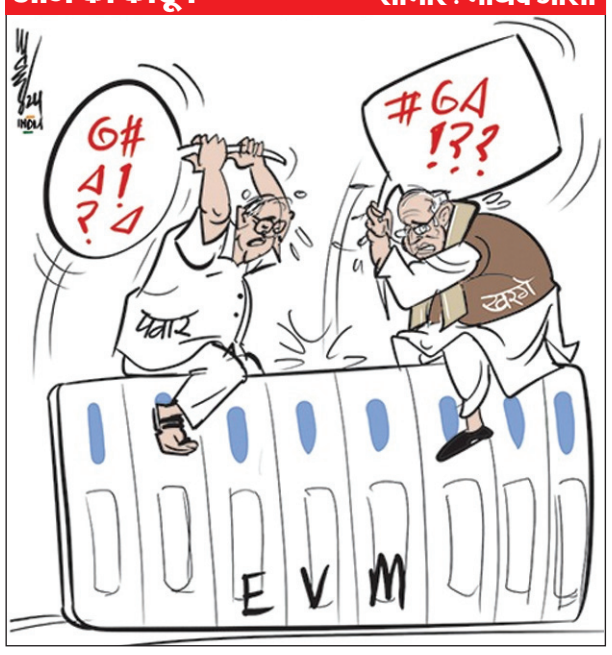

गीता जयंती आज

सनातन संस्कृति की ध्वजा विश्व में फहरा रही गीता प्रेस

■ हितानंद शर्मा

धर्म स्थापना के लिए मानव इतिहास में हुए सबसे भीषण महायुद्ध के बीच भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का ज्ञान आज भी अमृत रूप में प्रवाहित हो रहा है। श्रीमद्भगवत गीता केवल अर्जुन के लिए नहीं, सनातन समाज के लिए नहीं बल्कि विश्व मानवता के शुभ के लिए ईश्वरीय संदेश है। गीता के माध्यम से व्यद्धक्त स्वयं को जान सकता है और ईश्वरीय सत्ता का अनुभव भी कर सकता है। गीता जयंती मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था।

गीता के ईश्वरीय संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य 'गीता प्रेस गोरखपुर' द्वारा पिछले 102 वर्षो से बिना रुके पूरे श्रद्धाभाव से किया जा रहा है। भारत के घर-घर में श्रीमद्भगवत गीता और रामायण की प्रति पहुंचाने का श्रेय गीता प्रेस को ही जाता है। गीता प्रेस अब तक श्रीमद्भगवत गीता की 16 करोड़ 21 लाख प्रतियां प्रकाशित कर श्रद्धालु पाठकों तक पहुंचा चुका है।

अब तक 41 करोड़ 71 लाख पुस्तकें छापकर विश्व का सबसे बड़ा प्रकाशन संस्थान होने के बाद भी आश्चर्य की बात यह है कि गीता प्रेस न तो किसी से चंदा लेता है और न ही अपने प्रकाशनों में विज्ञापन ही स्वीकार करता है। जब वर्ष 2021 में गीता प्रेस को उसके उल्लेखनीय कार्यों के लिए भारत सरकार का गरिमामय 'महात्मा गांधी शांति पुरस्कार' प्रदान किया गया तो संस्थान ने पुरस्कार को पूरे सम्मान के साथ ग्रहण किया, पर इसके साथ प्रदान की जाने वाली एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि सरकार को वापस लौटा दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी इस संस्थान के दर्शन के लिए आए थे। लागत मूल्य से 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर बहुमूल्य पुस्तकें पाठकों तक पहुंचाने वाला गीता प्रेस वास्तव में सामाजिक-धार्मिक जागरण का एक आंदोलन ही है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की पावन धरा उत्तरप्रदेश का प्रवास तो पूर्व में भी होता ही रहा है किन्तु इसी वर्ष संयोग से संगठन के कार्य से मुझे गोरक्ष प्रांत यानी गोरखपुर सहित आसपास के क्षेत्रों का प्रभार सौंपा गया। ऐसे

में गोरखपुर में गोरक्ष पीठ सहित एक महत्वतपूर्ण तीर्थ गीता प्रेस के दर्शन का सौभाग्य भी मिला। प्रकाशन का केंद्रीय कार्यालय गोरखपुर में ही है। हिन्दू धर्म, अध्यात्म, दर्शन सहित मानव कल्याण के अनेक विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित कर चुका गीता प्रेस आधुनिक समय का तीर्थ ही है। राजा भागीरथ के महान तप से पुण्य प्रवाहिनी मां गंगा का धरती पर अवतरण संभव हो सका था। इक्ष्वाकु वंश के राजा भागीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को धरती पर लाने का प्रण पूर्ण किया था। इसी प्रकार गीता प्रेस के संस्थापक, ब्रह्मलीन श्री जयदयालजी गोयंदका के ऐसे ही महान तप का सुफल यह प्रकाशन है। वैसे तप तुलना का विषय नहीं है किन्तु धर्म, संस्कृति, अध्यात्म, भक्ति एवं मानवता के उद्धार के लिए गोयंदका जी द्वारा स्थापित गीता प्रेस आज भी पुण्य प्रवाहमयी ज्ञान सरिता है।

गीता प्रेस के आदि संपादक श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार 'भाईजी' के उल्लेख के बिना गीता प्रेस की चर्चा पूर्ण नहीं होगी। भाईजी वीर सावरकर के निकट के क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। अपने मौसेरे भाई जयदयालजी के अगाध गीता प्रेम एवं ज्ञान को देखते हुए भाईजी ने श्रीमद्भगवत गीता को लागत मूल्य से भी कम में जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस संकल्प की पूर्ति के लिए अपने एक प्रकाशन की आवश्यकता थी जो गोरखपुर में प्रारंभ हुआ। प्रचार-प्रसार से दूर एक अकिंचन सेवक और निष्काम कर्मयोगी की तरह भाईजी ने सनातन संस्कृति की मान्यताओं को घर-घर तक पहुँचाने में जो अतुलनीय योगदान दिया है, इतिहास में इसका उदाहरण मिलना कठिन है।

गीता प्रेस का मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म के सिद्धांतों को गीता, रामायण, उपनिषद, पुराणों, प्रख्यात संतों के प्रवचन एवं चरित्र-निर्माण की अन्य पुस्तकें-पत्रिकाएं प्रकाशित कर इन्हें लागत मूल्य से भी कम कीमत में समाज में पहुंचाना है। गीता प्रेस मानव जीवन के उत्थायन और सभी की भलाई के लिए प्रयासरत है। इसका उद्देश्य शांति, आनंद और मानव जाति के अंतिम उत्थान के लिए गीता में प्रतिपादित जीवन जीने की कला को बढ़ावा देना है। संस्थान का संचालन कोलकाता के गोविंद भवन द्वारा किया जाता है। इसका प्रबंधन एक गवर्निंग काउंसिल (ट्रस्ट बोर्ड) करती है। गीता प्रेस में दिन की शुरुआत सुबह की प्रार्थना से होती है। एक व्यक्ति दिनभर घूम-घूम कर प्रत्येक कार्यकर्ता को कई बार भगवान का नाम स्मरण कराता है। गीता प्रेस के अभिलेखागार में भगवद् गीता की 100 से अधिक व्याख्याओं सहित 3,500 से अधिक पांडुलिपियां रखी हैं। गीता प्रेस के मासिक पत्रिका ग्रंथ 'कल्याण' के नए संस्करण के साथ 3000 से अधिक ऑनलाइन संग्रह उपलब्ध हैं। 4 मई 1923 को गीता प्रेस की स्थापना की गई थी तब पुस्तकें छापने का काम बोस्टन कंपनी की प्रिंटिंग प्रेस से शुरू किया गया था। पैरों से चलाई जाने वाली यह मशीन 500 रुपए में अमेरिका से मंगवाई गई थी। अब संस्थान आधुनिक संसाधनों का सदुपयोग करता है इसीलिए मैनुअल और मशीन दोनों माध्यमो से प्रकाशन का काम होता है। गीता प्रेस इन अर्थों में भी विश्व का अनूठा प्रकाशन है क्योंकि यह अपनी पुस्तकों में मात्रात्मक, व्याकरणिक, शाब्दिक अथवा तथ्यात्मक त्रुटि बताने वाले को पुरस्कृत करता है हालाँकि पुस्तकों में ऐसी त्रुटियां मिलती नहीं हैं।

बीते वर्षों में मीडिया में इस प्रकार के समाचार आए थे कि गीता प्रेस आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बंद होने की कगार पर है किन्तु संस्थान के भ्रमण में यह भी जानने मिला कि स्थिति ऐसी नहीं है। समाज के सहयोग से गीता प्रेस 300 करोड़ रुपए वार्षिक टर्न ओवर वाला समृद्ध संस्थान है और प्रति वर्ष 17 भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित कर रहा है। संस्थान ने अपनी पुस्तकें इंटरनेट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई हैं जहां से कोई भी इन्हें डाउनलोड कर सकता है और यह पूरी तरह निशुल्क है।

संस्थान का कार्यालय भी दर्शनीय है। इसके भव्य प्रवेश द्वार के स्तंभ एलोरा के प्राचीन गुफा-मंदिर के स्तंभों की शैली में निर्मित हैं। वहीं अर्जुन के रथ के सारथी बन श्रीकृष्ण गीता का उपदेश दे रहे हैं। प्रवेश द्वार का शिखर दक्षिण भारत के मीनाक्षी मंदिर के शिखरका स्मरण कराता है। इस प्रवेश द्वार का उद्घाटन 29 अप्रैल, 1955 को प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने किया था। संस्थान के परिसर में लीला चित्र मंदिर (आर्ट गैलरी) में 684 सुंदर चित्रों में भगवान राम और भगवान कृष्ण की लीलाओं को प्रदर्शित किया गया है। ये अलग-अलग समय के महान कलाकारों की कृतियां हैं। इनके अलावा अन्य पेंटिंग भी प्रदर्शित हैं। श्री कृष्ण लीला को दर्शाने वाली पुरानी मेवाड़ी शैली की 92 पेंटिंग दर्शनीय है। दीवारों पर संगमरमर के ब्लॉकों पर पूरी गीता उकेरी गई है, साथ ही लगभग 700 दोहे और संतों के छंद भी हैं।

गीता प्रेस आधुनिक समय में हिन्दू धर्म, संस्कृति की पताका को पूरे विश्व में फहरा रही है। जब भी बात हिन्दू धर्म के महान ग्रंथों की होती है तो सहज ही गीता प्रेस का नाम ध्यान में आ जाता है। आज की घोर व्यावसायिकता के युग में गीता प्रेस लोक कल्याण की भावना से प्रामाणिक पुस्तकें समाज को उपलब्ध करा रहा है। गीता प्रेस की यह पुण्य सलिला निरंतर प्रवाहमान रहने वाली है।

(साभार : लेखक मप्र भाजपा के संगठन महामंत्री हैं)

सीरिया के तख्तापलट से मध्यपूर्व में नया संकट

■ पुष्परंजन

मिश्क में पूर्व राष्ट्रपति हफ़ीज़ अल असद के बुत उठाये जा रहे हैं। तानाशाहों के ताज उछाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन का दावा है कि इस्राइल द्वारा 'ईरान और हिजबुल्लाह पर किए गए प्रहार' का सीरियाई क्रांति पर सीधा प्रभाव पड़ा है। लेकिन इस्राइल को चिंता बफर ज़ोन की है। सीरियाई विद्रोही कब्ज़ा न करें, इस वास्ते इस्राइली बलों को आदेश दिया है वो सतर्क रहें। ईरान का आरोप है कि यह सारा खेल अमेरिका, इस्राइल और तुर्किये का रचा हुआ है। लेकिन, यदि यह त्रिगुट आइसिस और अल क़ायदा की विचारधारा पर चलने वाले हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को प्रोमोट करता रहा है, तो मानकर चलिए कि मिडल ईस्ट में एक ख़तरनाक़ खेल हुआ है। इस खेल का नाम था 'ऑपरेशन डिटरेंस ऑफ़ एग्रेशन'। 'एचटीएस' को यहां तक पहुंचने में बारह साल लगे। पहले इसे 'अल-नुसरा फ्रंट' के नाम से जाना जाता था। जबात अल-नुसरा का गठन 2012 में आइसिस द्वारा किया गया था। एक साल बाद यह गुट अलग हो गया, और फिर जबाहत फतेह अल-शाम नाम रखकर अल-कायदा के प्रति निष्ठा की घोषणा कर दी। कालांतर में इसने अल-कायदा से भी संबंध तोड़ लिए, और 2017 में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) नाम से अपनी ब्रांडिंग शुरू कर दी। 'एचटीएस' इदलिब को नियंत्रित करता है। उत्तर-पश्चिम सीरियाई शहर इदलिब विद्रोहियों का एपिसेंटर रहा है, जहां दूसरे आतंकी समूह, 'लिवा अल-हक़', 'जबात अंसार अल-दीन' और 'जैश अल-सुन्ना' इससे जुड़ गए।

सीरिया की सीमा उत्तर में तुर्की, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में लेबनान और इस्राइल, पूर्व में इराक, और दक्षिण में जॉर्डन से लगती है। मानकर चलें कि जब तक सीरिया में चुनाव होकर एक निर्वाचित सरकार नहीं आ जाती, यह पूरा इलाक़ा डिस्टर्ब रहेगा। सीरिया की राजधानी में इराकी दूतावास की इमारत को खाली करा लिया गया है, और कर्मचारियों को लेबनान भेज दिया गया है। यह इराक द्वारा सीरिया के साथ अपनी सीमा को बंद करने, और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हयात तहरीर अल-शाम विद्रोही समूह के सदस्यों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुआ है। रूस, ईरान, तुर्की, इराक, मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब और कतर ने दोहा में सीरिया का 'राजनीतिक समाधान' निकालने आह्वान करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया है। दूसरी ओर, सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद ग़ाज़ी अलजलाली ने स्वतंत्र चुनाव कराये जाने की मांग की है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है, रूस मिडल-ईस्ट से अपना मिलिटरी बेस हटाता है, कि नहीं? सीरिया के लताकिया प्रांत में रूस के खमीमिम एयरबेस और तटीय नगर पर टार्टस में इसकी नौसैनिक सुविधा है। टार्टस मिडल

ईस्ट में रूस की एकमात्र भूमध्यसागरीय मरम्मत और पुनःपूर्ति केंद्र है। मास्को के लिए यह वैसा बेस है, जहां से उसके मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर अफ्रीका में स्थित ठिकानों पर उड़ानें भरते हैं। बशर अल असद की वजह से रूस को टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा हासिल हुआ था। बदले में मॉस्को की सेना 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हो गई, जिसने खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने के लिए असद की सेना को सहायता प्रदान की। हमीमिम एयरबेस और टार्टस हटाने के लिए, क्या एक और युद्ध होगा? इस सवाल को हम यहीं छोड़े जाते हैं।

लेकिन, सबसे डरावना है अरब विद्रोह, या 'अरब स्प्रिंग', जो मिडल ईस्ट के शाही परिवारों और डायनेस्टी पॉलिटिक्स करने वालों की नींद उड़ाए हुए है। अरब स्प्रिंग के बीज 17 दिसंबर, 2010 को बोए गए थे, जब ट्यूनीशियाई सड़क पर खोमचे लगाने वाला मोहम्मद बौआज़ीज़ी ने पुलिस दुर्व्यवहार के विरोध में आत्मदाह कर लिया था। आत्मदाह देखकर क्रांति भड़क उठी। 14 जनवरी, 2011 को ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति ज़ीन एल अबिदीन बेन अली देश छोड़कर भाग गए। ट्यूनीशिया के बाद, अरब स्प्रिंग की गति बढ़ती रही। 25 जनवरी, 2011 को मिस्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जिसके परिणामस्वरूप 11 फरवरी को राष्ट्रपति होस्नी मुबारक ने इस्तीफा दे दिया। यह अशांति और फैल गई, 15 फरवरी, 2011 को लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। कर्नल मुअम्मर गद्दाफ़ी ने लीबिया पर कुल 42 साल तक राज किया, कर्नल गद्दाफ़ी सबसे अधिक समय तक राज करने वाले तानाशाह के रूप में जाने जाते थे। 20 अक्तूबर, 2011 को गद्दाफ़ी मारे गये, लेकिन उससे पहले उनकी बड़ी दुर्गति हुई। इन सारी घटनाओं से प्रेरित विद्रोह की लहर 2011 में सीरिया पहुंची, उसे कुचलने के लिए असद शासन ने क्रूर बल का इस्तेमाल किया। दूसरी ओर मार्च 2013 अमेरिका ने सीरियाई विपक्ष को सहायता प्रदान करना शुरू किया। उसी साल 21 अगस्त को घोउटा में विद्रोहियों पर रासायनिक हथियारों से हमला हुआ। अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। सितम्बर में सीरिया अंतर्राष्ट्रीय निगरानी में अपने रासायनिक हथियारों को नष्ट करने के लिए सहमत हुआ। 14 अप्रैल, 2018 को रूसी बलों द्वारा समर्थित सीरियाई सरकार ने लंबे समय तक घेराबंदी और भारी बमबारी के बाद पूर्वी घोउटा पर फिर से कब्ज़ा कर लिया। 31 दिसंबर, 2020 को असद सरकार ने अलेप्पो पर भी नियंत्रण हासिल कर लिया, जो युद्ध में एक बड़ा मोड़ था। 26 मई, 2021 को बशर अल-असद को सीरिया के राष्ट्रपति के रूप में चौथी बार फिर से चुना गया, चुनाव की निष्पक्षता की अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बावजूद उन्हें 95.1 प्रतिशत वोट मिले। सीरिया 14 वर्षों से गृहयुद्ध की चपेट में है। सीरिया में जो कुछ हुआ है, वह सभी एशियाई और अरब तानाशाहों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। विस्थापित सीरियाई नागरिकों का रिएक्शन अमेरिका-यूरोप में जिस स्केल पर दिखा उससे ही समझ में आ जाता है, गृहयुद्ध में उलझा मिडल ईस्ट कितना तबाह हुआ है। विपक्ष समर्थक सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, मार्च 2011 और मार्च, 2024 के बीच 164223 नागरिक मारे गए। इस संख्या में सरकारी जेलों में मारे गए अनुमानित 55,000 नागरिक शामिल नहीं हैं।

भारत ने हाल ही में सीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नवीनीकृत करने के प्रयास शुरू किए थे। फ़रवरी 2023 में विनाशकारी भूकंप के बाद 'ऑपरेशन दोस्त' के नाम से भारत ने सीरिया को मानवीय सहायता भेजी थी, जबकि पश्चिमी देश ऐसा करने के लिए अनिच्छुक थे। भारत ने असद शासन को हटाने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का विरोध किया था। भारत और सीरिया ने 29 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का छठा दौर आयोजित किया था। सीरिया में करीब 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से 14 संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों में काम कर रहे हैं। इस समय उनकी सुरक्षा भी हमारे लिए ज़रूरी है।

(साभार : लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, यह उनके विचार हैं)

होम साइंस कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 9 से 14 दिसंबरतक भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं की श्रृंखला जारी है.इस श्रृंखला में भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर, लोक नृत्य, लोकगीत एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है । कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रामबाबू मेहर एवं निर्णायक के रूप में डॉ. विनीता अवस्थी, डॉ. हंसा व्यास, डॉ. यशवंत निंगवाल ने मंच पर अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती का पूजन अर्चन के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया.

भाषण निबंध लोकगीत लोक नृत्य प्रतियोगिता में उत्साह से भाग ले रहे हैं विद्यार्थी

भारतीय परंपरा अनुसार तिलक लगाकर एवं पौधा भेंट कर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। संगीत विभाग विभागाध्यक्ष प्रेमकांत कटंगकार एवं छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । भाषण प्रतियोगिता में 9 महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रथम स्थान पर एमजीएम महाविद्यालय इटारसी की छात्रा तृप्ति ओमकार रही। द्वितीय स्थान पर शासकीय महाविद्यालय पचमढ़ी की छात्रा गरिमा रही एवं तृतीय स्थान पर शासकीय पीजी कॉलेज पिपरिया के चंद्रेश सराठे रहे।

जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया अन्य सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। जिला स्तर पर आयोजित प्रत्येक विधा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी संभाग स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभागी होंगे। इस अवसर पर डॉ. हंसा व्यास ने अपने उद्बोधन में कहा कि अगली प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के नियमों को पूरी तरह जानकर हर पहलू पर व्यापक चर्चा करनी होगी. विश्व गुरु की संकल्पना समावेशी शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा यह अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है जिस पर भाषण में समग्र प्रकाश डालना है। डॉ. विनीता अवस्थी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एन ई पी के प्रत्येक विषय का पहला अध्याय भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित है। हमार वेद , पुराण, ऋचाएं, उपनिषद् एवं मंत्र विज्ञान की परंपरा अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। गुरु शिष्य परंपरा भारतीय शिक्षा पद्धति का मूल आधार रहा है।

कार्यक्रम का सफल संचार करते हुए डॉ. रामबाबू मेहर ने अगली प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों को का मार्गदर्शन किया। आभार प्रदर्शन करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा की संयोजक डॉ. हर्षा चचाने ने विभिन्न प्रतियोगिता एवं अगली प्रतियोगिता हेतु तैयारी के महत्वपूर्ण पहलू पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. आरबी शाह, डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ. अशांता खुजुर, डॉ. घनश्याम डेहरिया, डॉ. हेमंत चौधरी, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. विजया देवासकर, शैलेन्द्र तिवारी, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. एकता गुप्ता, डॉ. प्रगति जोशी, डॉ. प्रीति मालवीय, श्रीमती आभा वाधवा डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती प्रीति ठाकुर, महाविद्यालयीन इन स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राओं उपस्थित रही।

भारतीय ज्ञान परंपरा की जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा और विविध परिदृश्य विषय पर आधारित निबंध प्रतियोगिता में 9 महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में डॉ. के जी मिश्र, डॉ. कल्पना विश्वास, डॉ. कीर्ति दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. हर्षा चचाने ने एवं आभार डॉ. रामबाबू मेहर ने किया।

तेन्दूखेड़ा की ग्राम पंचायत चंदना के आश्रित खारी देवरी के स्कूल का मामला

अभिभावकों का आरोप-शिक्षक शराब पीकर आते हैं विद्यालय

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

दमोह जिले के जनपद शिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा के तहत आने वाली एक शासकीय माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक के शराब पीकर स्कूल जाने या फिर स्कूल में ही बैठकर शराब पीने का मामला सामने आया है। गौर करने वाली बात ये हैं कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों अभिभावकों एवं अधिकारियों की समझाइश का भी शिक्षक पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। ये मामला ग्राम पंचायत चंदना के आश्रित गांव खारी देवरी में संचालित माध्यमिक शाला का है। दरअसल जनपद शिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत चंदना है। इस पंचायत के आश्रित गांव खारी देवरी है, जो जंगली क्षेत्र में बसा है। इस गांव में शासकीय माध्यमिक स्कूल संचालित हो रहा है और ये स्कूल तारादेही संकुल में आता है। उक्त गांव में आदिवासी समुदाय के लोग निवास करते हैं। स्कूल में बच्चे की संख्या 31 है। बच्चों को पढ़ाने के लिए सिर्फ एक शिक्षक है और दो अतिथि शिक्षक सेवाएं दे रहे हैं। यहां पर जो नियमित शिक्षक है, वह बच्चों का भविष्य संवारने की वजह खराब करने में लगे हुए है। क्योंकि वह शराब पीकर आए दिन स्कूल पहुंच जाते हैं या फिर कथित तौर पर शराब लेकर जाते हैं और स्कूल परिसर में ही बैठकर पीते हैं। ग्रामीण अभिभावक अनुसार शिक्षक इमरत गौड़ (ठाकुर) है। जो स्कूल में 5 साल से ज्यादा समय से पदस्थ हैं, जो आए दिन शराब पीकर आते हैं और स्कूल में भी शराब पीते रहते हैं।

टीम को देखकर फेंक दी बोतल

ग्रामीण अभिभावकों से मिली शिकायत की हकीकत जानने के लिए जब हमारी टीम खारी देवरी के स्कूल पहुंची तो देखा कि स्कूल की हालत बदहाल है। वहां पर शिक्षक इमरत दोपहर करीब दो बजे स्कूल परिसर के बाहर बैठकर शराब पीते हुए दिखे। जब टीम उनके पास पहुंची तो शिक्षक ने तत्काल ही शराब की बोतल और बने पैग को स्कूल के पीछे फेंक दिया। इसके बाद टीम स्कूल के अंदर पहुंची तो पाया कि टेबल पर नमकीन रखा हुआ था। दो अतिथि शिक्षक कक्षा के अंदर बैठकर भोजन करने की तैयारी में थे। स्कूल के आसपास भ्रमण जहां-तहां शराब की बोतलें और डिस्पोजल, पानी पाउच पड़े हुए है। वहीं शिक्षक ने जो शराब की बोतल फेंकी थी, वह भी मौके पर पड़ी मिली। जिसमें शराब भरी हुई थी। जब शिक्षक से इस संबंध में सवाल किए तो वह वो अजीब-गरीब जबाव दे रहे थे। वहीं अतिथि शिक्षकों से बात की तो वह भी शिक्षक का पक्ष लेते हुए नजर आए। जब उनसे पूछा कि स्कूल परिसर में शराब की बोतल और पानी पाउच, डिस्पोजल कहां से आई तो वो कहने लगे कि गांव के लोग यहां आकर शराब पीते है।

अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेजते

बच्चों के स्कूल नहीं जाने के संबंध में जब ग्रामीण अभिभावकों से बात की तो उन्होंने कहा कि स्कूल में अच्छी पढ़ाई नहीं होती है, इसलिए बच्चों को भेजते नहीं है। मासाब शराब पीकर आते हैं और कुछ नहीं पढ़ाते है। ग्रामीणों ने कहा कि बच्चे पढ़ना तो चाहते हैं पर शिक्षक इमरत हर दिन शराब पीकर आते हैं या फिर स्कूल में ही शराब पीते हैं। जिसके कारण बच्चे पढ़ने नहीं जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में शिकायते की गई पर उचित कार्यवाही नहीं होने से अब शिकायते करना बंद कर दी है। वहीं बच्चों को भी स्कूल भेजना बंद कर दिया है।

पड़ताल में पाया कि बच्चों की संख्या 31 दर्ज होना बताई गई, लेकिन मौके पर सिर्फ 3 बच्चे ही मिले। जब शिक्षकों ने कहा कि बच्चे अपने माता-पिता के साथ मटर तोड़ने जाते है, इसलिए तीन ही बच्चे आए है।

इनका कहना है

इस संबंध में एसडीएम सौरभ गंधर्व ने कहा मैं लगातार स्कूलों का निरीक्षण कर रहा हूं। यदि इस ग्राम के स्कूल में शिक्षक शराब पीकर आ रहे हैं तो मैं जांच करवाता हूं। साथ ही मैं जल्द ही स्कूल का निरीक्षण करूंगा

–सौरभ गंधर्व, एसडीएम तेंदूखेड़ा

इस संबंध में बीआरसी पीएल अहिरवार ने कहा यदि शिक्षक शराब पीकर स्कूल जा रहे हैं तो यह गलत है। मैं शिक्षक को नोटिस जारी करता हूं। स्कूल का निरीक्षण किया जाएगा। यदि जांच में शराब पीने बाली बात सामने आती हैं तो शिक्षक पर कार्रवाई की जाएगी

–पीएल अहिरवार, बीआरसी तेंदूखेड़ा

नपाध्यक्ष ने देर रात किया रैन बसेरा का निरीक्षण

नर्मदापुरम्। नगर की प्रथम नागरिक नपाध्यक्ष नीतू यादव ने विगत रात सेठानीघाट और बस स्टेंड स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण कियाऔर व्यवस्थाओं के बारे में परिक्रमावासियों से चर्चा की। परिक्रमावासियों ने अपने बीच नपाध्यक्ष को पाकर उन्होंने श्रीमती यादव का भजन गाकर स्वागत किया और उन्होंने रैन बसेरे की अच्छी व्यवस्था होने पर आभार जताया। नपाध्यक्ष उनके भजन पर मंत्रमुग्ध हो गईं और रैन बसेरों में परिक्रमवासियों के लिए झांझ, मंजीरे और ढोलक की जल्द से जल्द व्यवस्था करने के निर्देश दिए। नपा में संचालित राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा सोमवार को देर रात रैन बसेरों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सुविधाओं का निरीक्षण कर परिक्रमावासियों से व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। सिटी मैनेजर सुश्री मिश्रा ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा कंबल और गद्दे की जानकारी ली गई। साथ ही ठिठुरन भरी ठंड से नागरिकों राहत देने के लिए पुराने के साथ ही नए पाइंट बनाकर अलाव जलाने के निर्देश दिए। दोनों रैन बसेरों में पानी की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था तथा रूम हीटरों की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बगैर साजबाज के भजन गाते देख उन्होंने रैन बसेरों में झांझ, मंजीरे और ढोलक की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे की रैन बसेरों में रुकने वाले सभी यात्री झांझ, मंजीरे और ढोलक की थाप पर मां नर्मदा के भजन गाकर आनंद ले सकें।

बूथ अध्यक्षों को घोड़े पर बैठाकर राय शुमारी

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल इटारसी द्वारा बूथ अध्यक्षों को घोड़े पर बिठाकर बारात निकाल कर, तिलक लगाकर माला एवं पार्टी का दुपट्टा पहन कर राय शुमारी की गई। चुनाव अधिकारी ,पूर्व जिला अध्यक्ष संपत मुद्राडा, भाजपा महामंत्री प्रसन्न हरने, इटारसी भाजपा मंडल के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह , ने सभी बूथ अध्यक्षों का सम्मान कर बूथ अध्यक्ष सचिन प्रधान को घोड़े पर बिठाकर बारात निकाली एवं समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता बाराती बन कर पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पत्रकार भवन पहुंचे। जहां पर बंद कमरे में राय शुमारी के लिए ले जाया गया। चुनाव परिवेक्षक पूर्व जिलाध्यक्ष संपत मुद्राडा ,भाजपा जिला महामंत्री सहयोगी प्रसन्ना हरने, द्वारा समस्त नगर मंडल इटारसी के बूथ अध्यक्ष से राय शुमारी की गई। जहां तीन तीन नामों की पेनल बूथ अध्यक्ष ने लिखकर चुनाव पर्यवेक्षको को बंद लिफाफे में दी गई। बूथ अध्यक्षों की राय शुमारी में सभी नवनियुक्त अध्यक्षों एवं समस्त कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह दिखा। बूथ अध्यक्ष पार्टी की रीड की हड्डी होती है, नगर पालिका, विधानसभा , लोकसभा, चुनावों एवं भाजपा संगठन के कार्यक्रमों में पूरी ईमानदारी , निष्ठा से संगठन का कार्य कर, अपना अमूल्य समय देकर पार्टी एवं बूथ पर विजय दिलाती है, इटारसी में नगर मंडल की राय शुमारी में समस्त बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

मालवीय का नागरिक अभिनंदन

इटारसी। श्री गौड़ ब्राह्मण महासभा के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विनय मालवीय का स्थानीय जयस्तंभ चौक पर बाल्मीकि समाज के सदस्यों के द्वारा इटारसी आगमन पर नागरिक अभिनंदन किया गया। बाल्मीकि समाज रमेश धुरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री गौड़ ब्राह्मण समाज के नव निर्वाचित अध्यक्ष विनय मालवीय का इटारसी आगमन पर बाल्मीकि समाज पंचायत के पटेल दिलीप मैना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने जोरदार नागरिक अभिनंदन किया। इस दौरान दिलिप मैना पटेल वाल्मिक समाज, बबलू मोहरिया,पुनीत गौहर, सतीश डागर, शशांक चुटिले , महेश धूरिया, योगेश भोजने, छोटू बहोतर, मिश्रीलाल कालोशिया, राजू खरे, गुड्डू खान, संजीव मेहरा सहित समस्त सदस्यों ने नव निर्वाचित अध्यक्ष विनय मालवीय को बधाई दी।

रंगोली बना, कैंडल जलाकर एड्स के प्रति लोगों को किया जागरूक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं स्वास्थ्य विभाग तथा प्रियांशी एजुकेशनल कल्चरल एण्ड सोशल सोसायटी के समन्वय से विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में विशेष जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया। कार्यकम की मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश / सचिव श्रीमती शशि सिंह द्वारा उपस्थित सदस्यों को बताया गया कि पहला विश्व एड्स दिवस 1988 में मनाया गया था, जो एचआईवी और एडस के बारे में जागरूकता बढ़ाने और महामारी से प्रभावित लोगों को सम्मानित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। वर्तमान समय मेंचिकित्सा अनुसंधान में प्रगति और रोकथाम तक पहुंच में वृद्धि और वायरस की व्यापक समझ के कारण एच आई वी और एड्स से निपटने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विश्व एड्स दिवस के साप्ताहिक समापन कार्यक्रम पर जिले एड्स के प्रति लोगो को जागरूक करने हेतु कार्य करने वाली संस्था प्रियांशी एजुकेशनल कल्चरल एण्ड सोशल सोसायटी के सदस्यों द्वारा वृहद रांगोली डालकर एवं केंडल जलाकर एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगो जागरूक किया गया। उक्त समापन कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नर्मदापुरम से जिला न्यायाधीश / सचिव, श्रीमती शशि सिंह, किशोर न्याय बोर्ड से श्रीमती रूचि पाण्डेय, प्रधान मजिस्ट्रेट, लीगल एड डिफेंस काउसिंल कार्यालय से सतीश तिवारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, श्रीमती पूजा अवस्थी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, स्वास्थ्य विभाग से नोडल अधिकारी टी.बी., डॉ. प्रियंका दुबे, आर. एम.ओ. डॉ. संजय पुरोहित, हेमंत पटेल, विवेक पटवा, प्रकाश यादव, प्रियांशी एजुकेशनल सोसायटी से टी.आई. प्रबंधक श्रीमती मीनाक्षी बाथरी, रक्षा शुक्ला, प्रीति ठाकरे, आरती बेलवशी, सोनू गौर, नारायण विश्वकर्मा, हरीश यादव, ममता मंडल, आशा बाथरी, ज्योति खरवार, अमर, अंकित एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी मनोज कुमार सोनी, पूरन सिंह बघेल उपस्थित रहे.

मेट्रो एंकर 16 दिसंबर को विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस

भाजपा सरकार वादों को निभाने में नाकाम : मितेंद्र सिंह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह मंगलवार को नर्मदापुरम का दौरा किया. नगर में आते ही उन्होंने सबसे पहले मां नर्मदा के चरणों में नमन कर श्रीफल भेंट किया. तत्पश्चात स्थानीय गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के उपरांत पत्रकारों से चर्चा की। मितेंद्र ने बताया कि 16 दिसंबर को भोपाल में होने जा रहे प्रदेश कांग्रेस विधानसभा घेराव के लिए मैं पूरे प्रदेश के दौरे पर हूं. विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव में जनता से किए गए वादों को भाजपा पूरा करने में नाकाम है। आज प्रदेश का हर व्यक्ति परेशान है युवाओं के हाथ में रोजगार नहीं है प्रदेश में कानून व्यवस्था लचर है. महिला संबंधी अपराध बढ़ते जा रहे हैं. विभागों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है. सत्ता निरंकुश है ऐसे हालातो में विपक्ष सरकार को जगाने के लिए विधानसभा घेराव करने जा रहा है. उन्होंने युवा साथियों को पूरी ताकत के साथ भोपाल पहुंचने का आह्वान किया है । मितेंद्र ने कहा मैं जल्द दो दिनी प्रवास पर आऊंगा जिसमें बैठकर जिले की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक मुद्दों पर हर कार्यकर्ता पदाधिकारी से चर्चा कर एक बड़े आंदोलन के लिए तारीख तय करूंगा. नई कार्यकारिणी भी शीघ्र ही गठित होगी। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता एवं सचिव रोहन जैन ने किया । कार्यक्रम को पूर्व विधायक पं. गिरजा शंकर शर्मा , जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुड्डन पांडे , प्रदेश उपाध्यक्ष अजय सैनी , जिला अध्यक्ष हुजैफा बोहरा , प्रदेश सचिव गुलाम मुस्तफा , इटारसी नगर अध्यक्ष मयूर जायसवाल , फैजान उल हक , नगर अध्यक्ष सत्यम तिवारी , अफ़रीद खान विधानसभा अध्यक्ष गोल्डी बैंस, राष्ट्रीय प्रवक्ता गुफरान अंसारी ने संबोधित किया कार्यक्रम में गोल्डी चौधरी , सोम दुबे , विक्रमादित्य तिवारी , प्रतीक मालवीय , मयंक चौरे सजल जायसवाल , लकी खान , आयुष चौहान , सौरभ शर्मा, मनीष शर्मा , अभय सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

नगर आगमन पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मितेंद्र दर्शन सिंह का गर्मजोशी से उनका स्वागत किया. प्रदेश महासचिव फैज़ान उल हक़ ने बताया आगामी 16 तारीख को प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व मे विशाल विधानसभा घेराव किया जा रहा है इसकी तैयारियों को लेकर आज मितेंद्र दर्शन सिंह नर्मदापुरम प्रवास पर आये हैं.

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव का समाज ने किया भव्य स्वागत

इटारसी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव अल्प प्रवास पर नर्मदा पुरम इटारसी पहुंचे, जहाँ यादव समाज के युवाओं द्वारा श्री यादव का स्वागत किया गया। यादव समाज ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव के समक्ष आगामी यादव समाज के सम्मेलन के लिए रूपरेखा से अवगत कराया, एवं समाज में होने वाले कार्यक्रम पर चर्चा की , यादव ने समाज के लोगों को कहा कि किसी प्रकार की समस्या हो वह समाज के लिए हमेशा तत्पर हैं, जब भी समाज मुझे बुलाएगा मैं उनके लिए हमेशा हाजिर हूं। इस अवसर पर एडवोकेट मधुसूदन यादव, एडवोकेट मुकेश यादव , इंजीनियर पवन यादव, पत्रकार आत्माराम यादव ,सरदार यादव, कपिल यादव निटाया, ,प्रमोद यादव बागलखेड़ी, देवेंद्र यादव समौन, संतोष यादव समौन ,रवि शंकर यादव, पूर्व सरपंच भानपुर, हीरालाल यादव शुक्ररबाड़ा ,रामकिशन यादव ,ऋषभ यादव ,आशीष यादव, अमित यादव कपिल यादव ,रुपेश यादव, रेवती यादव, केसला कुलदीप यादव , शैलेंद्र कुशवाहा, अजय. निक्की एवं अन्य यादव समाज नागरिक उपस्थित हुए।

पत्नी साथ नहीं गई तो पति ने पत्नी, बेटे, साली और साले पर धारदार चाकू से किया जानलेवा हमला, पहुंचा हवालात, घायलों का अस्पताल में हो रहा

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

मंगलवार को दोपहर के समय जय स्तंभ चौक पर पत्नी को लेने के लिए आई पति सचिन विश्वकर्मा ने अपने साथ पत्नी के नहीं चलने और भेजने से मना करने पर फिल्मी स्टाइल में पत्नी सहित साले साली और बच्चे को भी घायल कर दिया पुलिस ने पहुंचकर कार्रवाई करते हुए आरोपी को अपने साथ लेकर गई तथा घायलों का अस्पताल पहुंचाया ।आरोपी संतोष विश्वकर्मा धारदार चाकू के साथ उसकी नौक पर जबरन पत्नी को ले जाने पर विरोध करने वाले साले सचिन विश्वकर्मा पर धारदार हथियारों से हमला करते हुए बुरी तरह से घायल कर दिया बचाव करने के लिए आई साली सुषमा को को भी नहीं छोड़ा इसके अलावा पत्नी साधना विश्वकर्मा और बेटे अरु गोभी चोट आई है। इन सभी का शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय में उपचार हो रहा है। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी संतोष विश्वकर्मा निवासी बासौदा गिरफ्तार कर लिया इसके इस वारदात को अंजाम फिल्मीस्टाइल मैं दादागिरी दिखाते हुए पत्नी को साथ नहीं भेजने पर साले पर तो प्राण घातक हमला करके घायल कर दिया गनीमत रही की चाकू अंदर तक पेट में नहीं लगी कान के पास लगी है। दिन में इस घटना को अजाम

दिया उस समय स्तंभ चौक पर बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।चौराहे पर विवाद होता रहा वहीं भाई को बचाने के लिए आई पत्नी बच्चे तथा साली को भी घायल कर दिया है। पुलिस ने सुषमा विश्वकर्मा की रिपोर्ट पर आरोपी संतोष विश्वकर्मा निवासी बासौदा उम्र 32 साल पर धारा 296,118-1-3-51 (3) मैं मामला दर्ज करके आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी का आरोप है कि पति शराब पीकर मारपीट करता है इस वज़ह से पति के साथ जाने को तैयार नहीं थी इस बात से गुस्सा होकर पहले पत्नी पर हाथ उठाया फिर बचाव करने के लिए आए साले सचिन पर चाकू से हमला कर दिया साली सुषमा को भी घायल कर दिया है ऐसा लगा था जैसे इसके सर पर खून सवार हो इसने किसी को नहीं छोड़ा।आरोपी ने इन सब पर हमला किया था उस समय चौराहा पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा गई थी काफी देर तक विवाद होता रहा सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची आरोपी को अपने साथ ले गई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर इनका उपचार हो रहा है। फरियादी सुषमा विश्वकर्मा ने बताया कि जीजा जी दारू पीकर मारपीट करते हैं। इसलिए उनके साथ में जाने जीजी जा नहीं रही थी जब हमने इसका विरोध किया तो इन्होंने हम सब पर चाकू से बार करते हुए घायल कर दिया।

केथन डैम की भूमि पर फिर होने लगी अवैध खेती

डैम में लहरा रही है फसल, सिंचाई विभाग के अफसर बोले - हम कर रहे हैं कारवाई

विधायक और खर्च में खेती को लेकर हुई थी सार्वजनिक बहस

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जिस बांधा का जल पीने के लिए सप्लाई किया जाता है। उसकी खाली होने वाली भूमि पर भी सिंचाई विभाग उक्त जमीन की नीलामी करके भी खेती नहीं करवा सकता है। दूसरी ओर के ठंडे में एक बार फिर से खेती होने का खेल प्रारंभ हो गया है, दबंग लोगों के हौसले इतने बुलंद है कि प्रशासन के अधिकारियों का कोई डर नहीं है। इस समय बीच डैम में भी खेती करने का काम इन लोगों के द्वारा किया जा रहा है उसमें फसल लहरा रही है आसपास भी बड़ी संख्या में खाली हो रही जमीन में अवैध रूप से खेती करने का काम जोर-जोर से हो रहा है। डूब क्षेत्र की खाली हो रही जमीन में खेती करने वालों पर कार्रवाई करने की बात सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कर रहे हैं उनकी नजर में अभी चार-पांच लोगों के द्वारा ही नियम विरोध खेती करने का कार्य करके पानी को जहरीला करने का खेल प्रारंभ कर दिया है अच्छी पैदावार लेने के लिए उर्वरक से लेकर कीटनाशक दबाव का उपयोग करते हैं जो डैम के पानी में मिलने पर पानी दूषित हो जाता है।

अधिकारियों की मिली भगत से ही हो रही है खेती

अवैध रूप से खेती करने वालों के द्वारा बेखौफ होकर खाली होने वाली जमीन में अवैध रूप से खेती करना प्रारंभ कर दिया इनको रोकने टोकने का काम भी समय रहते सिंचाई विभाग विभाग जिम्मेदारी कर्मचारियों ने नहीं किया तभी तो फसल इस समय डैम के बीचों बीच में लहरा रही है। इस काम को अवैध रूप से खेती करने वालों के द्वारा इनसे सांठ गांठ के बगैर संभव नहीं लग रहा है। फसल लगाने से पहले जुदाई के बाद बनी का काम होता है फिर फसल लहराती है इसमें काफी दिन लगते हैं इतने दिनों तक किसी ने ध्यान नहीं दिया इस इनकी मिली भगत को बल मिल रहा है।

विधायक और खर्च में खेती को लेकर हुई थी बहस

पिछले महीने विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा नवीन बस स्टैंड पर जन समस्या निवारण से भी लगाया था उसमें अशोक जैन खर्चने केथन ठंडे में हो रही अवैध खेती की शिकायत की थी इसके बाद विधायक और खर्चा बीच इसको लेकर बहस भी हुई थी इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था विधायक शर्मा ने तभी अधिकारियों के जनप्रतिनिधियों के साथ मौके पर भेजो था। इसके बाद भी सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया उसी का परिणाम है की खेती करने वाले सक्रिय हो गए हैं बिना रोक-टोक के इनके फसल लगाने का कार्य कर रहे हैं।

जनसुनवाई में की शिकायतों

अशोक जैन खर्च ने जनसुनवाई में एसडीएम हर्षल चौधरी को केथन डैम की भूमि में अबैध रूप से खेती करने वालों पर करवाई की मांग करते हुए कहा कि डेम का पानी नगर में पीने के लिए सप्लाई किया जाता है खेती करने वालों के द्वारा अच्छी पैदावार लेने के लिए उर्वरक से लेकर कीटनाशक दवाई डाली जाती है जो पानी में मिलकर उसको दूषित कर देती है इसको पीने के बाद लोग कई तरह की बीमारी पीड़ित हो रहा है पानी को दूषित करने वालों पर कार्रवाई करके अवैध खेती को बंद करवाया जाए अवैध रूप से खेती करनेवालों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त इनके दबाव में सिंचाई विभाग से लेकर एसडीएम तहसीलदार भी कार्रवाई करने नहीं जाते हैं।

इनका कहना है

डेम की जमीन में किसी को भी खेती नहीं करने देंगे अभी चार-पांच लोगों के द्वारा खेती की जा रही है। इनके विरुद्ध हम करवाई करेंगे।

– कमलेश कुमार, एसडीओ सिंचाई विभाग सिरोंज

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान आज 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक चलेगा

विदिशा , दोपहर मेट्रो

भारत सरकार एवं राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों का पूरा लाभ पात्र हितग्राही तक समय-सीमा में पहुंचे यही सुशासन का मूल ध्येय है। राज्य सरकार द्वारा इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का क्रियान्वयन 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक विशेष अभियान चलाकर किया जा रहा है। जिसमें पात्र हितग्राहियों के लिए भारत सरकार एवं राज्य शासन की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रदान कर इन योजनाओं में शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाया जाएगा एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं लक्ष्य अनुरूप लाभ प्रदान किया जाए ताकि कोई भी पात्र हितग्राही संबंधित योजना के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही नागरिकों को चिन्हित सेवाओं अभियान के अंतर्गत प्रदाय की जाएं।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने अभियान के प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है।

सिरोंज कलेक्टर ने आदेश जारी कर नोडल व सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए ग्रामीण क्षेत्र हेतु जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन को नोडल अधिकारी होंगे तथा शहरी क्षेत्र के लिए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा को नोडल अधिकारी बनाया है। अनुभाग स्तर के लिए संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है तथा ग्रामीण क्षेत्र हेतु सहायक नोडल संबंधित क्षेत्र के जनपद सीईओ तथा शहरी क्षेत्र के सहायक नोडल के लिए संबंधित क्षेत्र के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को नियुक्त किया गया है। जिले के नोडल अधिकारी अपने स्तर पर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा कर जानकारी से नियमित अवगत कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

लापरवाही बरतने तथा बैठकों में अनुपस्थित रहने पर पटवारी यशवंत तोमर निलंबित

सिरोंज। विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा द्वारा आदेश जारी कर नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री, खसरा लिंकिंग, ई-केवायसी और एनपीसी के कार्यो को लंबित रखते हुए शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने तथा तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने पर पटवारी यशवंत तोमर को निलंबित किया गया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि पटवारी हल्का नं. 24 भूत परासी, 20-सलैया ग्रामीण तहसील विदिशा के पटवारी यशवंत तोमर निलंबन अवधि में मुख्यालय ऑफिस कानूनगो शाखा, ग्रमामीण तहसील कार्यालय विदिशा रहेगा तथा इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता रहेगी।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज। थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने दांगी पुर मोहल्ले में रात्रि में दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले

आरोपी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है ।पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात्रि में आरोपी ने घटना को अंजाम दिया था जिसको हमने मंगलवार को पीड़ित की शिकायत के बाद घटना को गंभीरता से लेकर आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया जहां उसको जेल भेज दिया गय आरोपी पर धारा 376 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है

आइजा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने राजीव सैनानी

9 से 10 जनवरी को आयोजित होने वाले आइजा के पत्रकारो के महाकुम्भ में बदलेगा पत्रकारों का इतिहास : राजीव जैन सैनानी

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

ऑल इंडिया जैन जनलिस्ट एसोशिशयन आइजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया एंव राष्ट्रीय सलाहकार व पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश आइजा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन बाफना ने राजीव जैन सैनानी को आइजा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया एंव मध्यप्रदेश आइजा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन बाफना ने जो मुझे आइजा में जो स्थान दिया है में उस स्थान पर पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करूंगा। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के विश्वास को कायम रखूगा। वही उन्होने कहा कि आइजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुंडिया व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन बाफना ने वर्षो पुरानी एक कहावत को तोड दिया जो कि कहावत वास्तव में चरितार्थ है जिसमें कहा जाता है कि एक मंच पर पत्रकारो को एकत्रित करना एक बहुत बडी बात है। कहावत में कहा गया है कि एक मेंढक को बिठा लो तो दूसरा भाग जाता है और यदि तीसरे को बिठा लो तो चौथा भाग जाता है। इसी तरह पत्रकारो के साथ भी होता है। कभी भी एक जगह पत्रकार एकत्रित नही होते। लेकिन इस कहावत को राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष जोडी ने झूठा साबित कर वह जादू किया है कि मध्यप्रदेश में जैन पत्रकारो का महासगठन में 400 से ज्यादा

सदस्य बनना अपने आप में एक इतिहास रचना है।

मांडव में आइजा पत्रकारो का रचेगा इतिहास

आइजा के मांडव में 9 व 10 जनवरी को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में पूरे देश से वह हस्तिया आएगी। जिससे पत्रकारो का महाकुम्प होगा। तो वही देश की वर्तमान परिस्थितियों में पत्रकारो का योगदान पर विशेष चर्चा होगी। साथ ही विचारो के आधार पर जो थीम निकलेगी वह थीम पूरे देश के पत्रकारो को एक नए संदेश देगी। उस थीम के माध्यम से पूरे देश के पत्रकारो के विचार एंव अन्य चीजो में बदलाव आएगा।

पत्रकार राष्ट्र के निर्माण में निभाता है महत्वपूर्ण भूमिका

इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री व आइजा के राष्ट्रीय सलाहकार प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि एक पत्रकार राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह जनसमर्थन और जागरूकता बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन और समाजिक समृद्धि में मदद करता है। वह जनता के माध्यम से उनकी समस्याओं को सार्वजनिक कर करता है, सरकारी गलतियों का पता लगाता है और लोगों को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करता है। इसके अलावा, वह न्यायिक, नैतिक और राजनीतिक अवस्था का निरीक्षण करता है और सार्वजनिक विचार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

देश के अंदर फैली कुरीतियो को मिटाकर पत्रकार राष्ट्र निर्माण में देते है अहम योगदान

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एडवोकेट कपिल त्यागी ने कहा कि पत्रकारिता पत्रकार के लिए धर्म की तरह होती है। इसलिये प्रत्येक पत्रकार को साफ एवं स्वच्छ पत्रकारिता करते हुए समाजोत्थान में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। पत्रकार के सम्मुख समाज निर्माण की एक बहुत बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। पत्रकार फौजियों की तरह राष्ट्र के सच्चे प्रहरी होते हैं, जिस प्रकार देश की सरहदों की फौजी रक्षा करते है, उसी प्रकार से देश के अंदर फैली कुरीतियों को मिटाकर पत्रकार राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देते हैं, इसलिए प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। उन्होंने कहा कि समाज में फैली बुराईयों को अपनी कलम से वाणी देकर इनके खिलाफ आम जन को जागृत करना होगा। यदि पत्रकार पत्रकारिता की मर्यादा और सच्चाई के साथ पत्रकारिता करे तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतात्रिक राष्ट्र भारत को दुनिया की सर्वोच्च ताकत बनने से कोई भी नहीं रोक सकता।

सामाजिक संस्थाओं ने हम होंगे कामयाब पखवाड़े में इमलानी में किया कार्यक्रम

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

मंगलवार को जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था जन जागरण ग्राम विकाश समिति थनर पुर एवं सर्व धर्म जन कल्याण सेवा समिति के द्वारा हम होंगे कामयाब पखवाड़े के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नीलम यादव ने संबोधित करते हुए शासन द्वारा चलाई जा रही जेंडर आधारित हिंसा पर जागरूकता अभियान की प्रसंशा करते हुए कहा की निश्चित ही इससे लैंगिक अनुपात बड़ेगा और सुरक्षा का वातावरण बनेगा । जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी ने कहा की इस प्रकार के कार्य क्रम सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में चलाए जा रहे है। जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। पूर्ण कालिक अंकित पाठक ने कहा की हमारी संस्कृति में स्त्रियों की हमेशा से पूजा होती रही है वह नित्य बंदनिया तथा पूजनीय रही है ।हमे पुनः अपनी संस्कृति की ओर लौटना चाहिए ।इस दौरान कृष्ण चंद पाल, बाबू सिंह ,नवल सिंह आदि मौजूद थे। संचालन प्रमोद रघुवंशी ओर आभार शाला प्राचार्य मनोज शर्मा ने किया।

टीम इंडिया अकेले बुमराह के भरोसे खराब तेज गेंदबाजी से बढ़ी टेंशन

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय पेसरों का प्रदर्शन रहा निराशाजनक

नईदिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में 10 विकेट से मिली करारी हार के बाद भले ही भारतीय बल्लेबाजों की आलोचना हो रही है, लेकिन टीम की खराब तेज गेंदबाजी ने भी कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन की परेशानी बढ़ा दी है। भारतीय टीम को पिछले पांच टेस्ट मैचों में चार में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में 0-3 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। यदि पिछले पांच टेस्ट मैचों के आंकड़ों पर नजर डालें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अकेले जसप्रीत बुमराह के दम पर टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैसे सीरीज जीतेगी।

सिराज शीर्ष बल्लेबाजों के विकेट लेने में विफल

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुमराह के बाद भारत के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज हैं, लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिख रही है। सिराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैच में भले ही नौ विकेट लिए हैं, लेकिन वह शीर्ष बल्लेबाजों को आउट करने में विफल हो रहे हैं। इसके अलावा, वह रन भी काफी खर्च कर रहे हैं और पिछले दो टेस्ट में उनका औसत काफी खराब रहा है।

बॉक्सिंग डे का पहला दिन रहेगा हाउसफुल

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम बॉक्सिंग डे यानि 26 दिसंबर से सीरीज का चौथा टेस्ट मैच खेलने के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर उतरेगी। रिपोर्ट के तहत, इस टेस्ट मैच का पहला दिन हाउसफुल रहेगा क्योंकि सभी टिकट बिक चुके हैं। स्टेडियम की दर्शक क्षमता करीब 80 हजार है और कुछ ही टिकट शेष बचे हैं।

हर्षित, आकाशदीप के पास नौ टेस्ट का अनुभव

भारतीय टीम के गेंदबाजी आक्रामण में हर्षित राणा, आकाशदीप और नीतिश कुमार रेड्डी भी शामिल हैं। इनके पास सिर्फ नौ टेस्ट मैचों का अनुभव है। हर्षित राणा व नीतिश कुमार रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट पदार्पण किया लेकिन इनके प्रदर्शन में अनुभव की कमी दिखी।

चोट के डर से बुमराह ने नहीं की ट्रेनिंग

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट मैच 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में खेलना है। टीम अभी ब्रिस्बेन नहीं पहुंची है और एडिलेड में भी अभ्यास कर रही है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ट्रेनिंग से दूर ही रहे। एक रिपोर्ट के तहत, टीम प्रबंधन बुमराह को वर्कलोड से बचाना चाहता है और इस कारण उन्हें ट्रेनिंग से विश्राम दिया गया है। भारतीय टीम जल्द ही ब्रिस्बेन के लिए रवाना होगी।

मुश्ताक अली ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल, सौराष्ट्र ने मप्र को 174 रन का टारगेट दिया

बेंगलुरु. एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बुधवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जा रहे हैं। बेंगलुरु में बंगाल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है और ब?ौदा की टीम बैटिंग कर रही है। इधर, अलूम में तीसरे क्वार्टर फाइनल में सौराष्ट्र ने मध्यप्रदेश के सामने जीत के लिए 174 रन का लक्ष्य रखा है। मप्र की टीम रन चेज कर रही है। बंगाल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी, बडौदा बैटिंग कर रही चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बंगाल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। ब?ौदा की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। सौराष्ट्र ने 174 रन का टारगेट दिया, चिराग की फिफ्टी सौराष्ट्र ने तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश को 174 रन का टारगेट दिया है। अलूर में मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। सौराष्ट्र ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन बनाए। चिराग जानी ने 45 बॉल पर नाबाद 80 रन की पारी खेली। शेष बल्लेबाज 20 रन से ज्यादा स्कोर नहीं कर सके। मप्र की ओर से वेंकटेश अय्यर और आवेश खान ने 2-2 विकेट झटके। त्रिपुरेश सिंह, शिवम शुक्ला और राहुल बाथम को एक-एक विकेट मिला। सबसे कम 4 मैच जीते जितेश शर्मा की नेतृत्व वाली विदर्भ की टीम ने ग्रुप स्टेज में सबसे कम 4 मैच जीतकर टूर्नामेंट के अगले राउंड में पहुंची।

करियर की 201वीं जीत दर्ज कर अल्कारेज अंतिम-4 में

चाइना ओपन टेनिस: मेदवेदेव से होगा सामना

बीजिंग, एजेंसी। विश्व के तीसरे नंबर के पुरुष एकल टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका सामना रूस के डेनियल मेदवेदेव से होगा। अल्कारेज ने क्वार्टरफाइनल में सातवीं वरीय रूस के ही कारेन खचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। यह उनके एटीपी करियर की 201वीं जीत है। वहीं मेदवेदेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-2, 6-4 से पराजित किया।

सबालेंका की लगातार 14वीं जीत: बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने इस सीजन लगातार 14वीं जीत के साथ अंतिम-16 राउंड में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने अमरीका की एश्लीन क्रूगर को 6-2, 6-2 से हराया। इस बीच नाओमी ओसाका भी अंतिम-16 में जगह बनाने में सफल रहीं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग: टेन हेग की मुश्किलें बढ़ीं

टोटेनहेम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-0 से दी मात

मैनचेस्टर. एजेंसी

मैनचेस्टर यूनाइटेड को इंग्लिश प्रीमियर लीग के मैच में टोटेनहेम स्पर्स के हाथों 3-0 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के शीर्ष फुटबॉल क्लब की इस सीजन प्रीमियर लीग में यह लगातार दूसरी व कुल तीसरी हार है। टीम अब तक खेले छह मैचों में से दो ही जीत सकी है, जबकि एक ड्रॉ रहा है। अंकतालिका में मैनचेस्टर यूनाइटेड 12वें स्थान पर चल रहा है। इस प्रदर्शन के बाद टीम के कोच एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें अपनी नीतियों के लिए चोतरफा आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

जॉनसन ने तीसरे मिनट में खोला खाता: टोटेनहेम के लिए ब्रेनन जॉनसन ने मैच के तीसरे ही मिनट में गोल दागा। उसके बाद दूसरे हाफ में देजन कुलुसेवस्की ने 47वें मिनट में दूसरा गोल किया। डोमिनिक सोलांके ने 77वें मिनट में एक और गोल कर टोटेनहेम को 3-0 से जीत दिला दी।

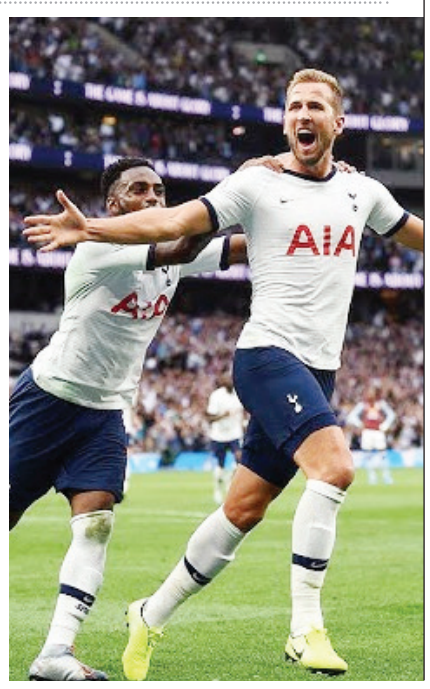

वैभव के नाबाद अर्धशतक से भारत हुआ मजबूत

अनाधिकृत अंडर-19 टेस्ट मैच

चेन्नई. एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ अनाधिकृत अंडर-19 टेस्ट मैच में पहली पारी में 293 रन बनाए। जवाब में भारतीय अंडर-19 टीम ने स्टंप्स तक बिना किसी नुकसान के 103 रन बना लिए थे। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 81 और विहान मल्होत्रा 21 रन बना कर क्रीज पर थे। समर्थ व इनान की

शानदार गेंदबाजी: इससे पहले भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से समर्थ नागराज और मोहम्मद इनान ने तीन-तीन विकेट चटकाए। आदित्य रावत ने 2 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के लिए एडिन ओकोनोर ने 61 और रिले किंग्सेल ने 53 रन का योगदान किया।

मेट्रो बाजार

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका कोर सेक्टर का उत्पादन घटा

नईदिल्ली. एजेंसी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अगस्त, 2024 में भारत को बड़ा झटका लगा है। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोर सेक्टर) की उत्पादन वृद्धि निगेटिव जोन में चली गई है और ग्रोथ रेट माइनस 1.8 फीसदी तक लुढ़क गई है, जो जून 2024 में 6.1 फीसदी और अगस्त 2023 में 13.4 फीसदी बढ़ी थी। यह गिरावट कोयला, कच्चे तेल, नेचुरल गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट्स, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में कमी की वजह से आई है। वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रेल से अगस्त के बीच

कोर सेक्टर का उत्पादन केवल 4.6 फीसदी बढ़ा जो पिछले साल की समान अवधि में 8 फीसदी बढ़ा था। भारत का राजकोषीय घाटा मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 5 महीने यानी अप्रेल-अगस्त के दौरान 4.35 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित वर्ष के बजट अनुमान का 27 फीसदी है। इस अवधि में कुल सरकारी खर्च 16.52 लाख करोड़ रुपए रहा, जो बजट लक्ष्य का लगभग 34.3 फीसदी है। नेट टैक्स रेवेन्यू 8.7 लाख करोड़ रुपए रहा। यह बजट अनुमान का 33.8 फीसदी है। जुलाई 2023 के अंत में नेट टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन 34.5 फीसदी था। केंद्र का पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) यानी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर खर्च 3,00,987 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना लक्ष्य का 27.1 फीसदी है। पिछले साल की समान अवधि में यह 3,73,799 करोड़ रुपए यानी बजट लक्ष्य का 37.4 फीसदी था। वहीं जून तिमाही में सरकार का चालू खाता घाटा सालाना आधार पर बढ़कर जीडीपी के 1.1 फीसदी पर पहुंच गया। पहली तिमाही में चालू खाता घाटा 970 डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 8.9 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1 फीसदी था। चालू खाता घाटा मुख्य रूप से व्यापार घाटे में वृद्धि से बढ़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सकेंगे गैर बासमती चावल, निर्यात से प्रतिबंध हटा, मूल्य तय हुआ

नईदिल्ली. एजेंसी

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया है। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य 490 डॉलर प्रति टन तय किया है। परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर निर्यात शुल्क भी 20 से घटाकर 10त्न किया है। इससे प्रदेश के चावल उद्योग को राहत मिलेगी। प्रदेश में कुछ वर्षों में 200 से अधिक चावल मिल लगे हैं। इससे चीन, यूएस, यूएई एवं यूरोप के देशों में निर्यात बढ़ा है। डीजीएफटी मप्र के संयुक्त निदेशक ने बताया, निर्यात रोक खत्म होने से मप्र के किसानों व निर्यातकों को फायदा होगा। वे न्यूनतम निर्यात मूल्य से अधिक पर बेच सकेंगे।

इधर, तुवर दाल की कीमतों में गिरावट

किराना बाजार में शकर और खोपरा गोला के भाव में तेजी दर्ज की गई। ट्रक भाड़े बढ़ने के साथ कोटा कम आने के कारण शकर की कीमतों में तेजी आई है। नारियल ऊंचे भाव पर मांग कमजोर रही। वहीं आयातित मालों में बिकवाली का दबाव बढ़ने व ग्राहकी का अभाव बना रहने से तुवर की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। तुवर दाल में उठाव न के समान बना रहने से तुवर में दाल मिलर्स की लिवाली ठंडी बनी हुई है जिस कारण तुवर की कीमतों पर दबाव बना हुआ हुआ है। आयातकों की बिकवाली का दबाव बढ़ने आगे भी भाव घटने की संभावना है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सह कलाकारों के काम को देखकर घबरा गई थीं तृप्ति, बोलीं- विक्की से 3 दिन तक नहीं की थी बात

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बैड न्यूज और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। तृप्ति ने कहा कि विक्की कौशल के काम को देखकर उन्होंने तीन दिन तक उनसे बात नहीं की थी। उन्होंने कहा राजकुमार राव बड़ी आसानी से अपने किरदार में ढल जाते हैं। तृप्ति ने राजकुमार और विक्की कौशल के साथ काम करने को लेकर अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि अपने सह कलाकारों के काम और तरीके को देख वह घबरा गई थीं। उन्होंने सेट पर कुछ दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी।

सह कलाकारों को लेकर किए ये खुलासे एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि 'बैड न्यूज' की शूटिंग के दौरान वह कुछ घबराहट और परेशानी महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री ने तीन दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी। अभिनेत्री ने 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' की शूटिंग के दौरान राजकुमार के साथ काम किया है। उनके साथ हुए अनुभव पर तृप्ति डिमरी ने बताया कि राजकुमार राव एक ही बार में दो पेज का मोनोलॉग पढ़ सकते हैं। वह लिखी हुई लाइनों को नएपन के साथ बोलते हैं।

तृप्ति को एक्टिंग करना लगता था मुश्किल

तृप्ति डिमरी को एक्टिंग करना थोड़ा मुश्किल लगा था। हालांकि, काम करने के साथ ही वह इन चीजों के साथ सहज हो गईं। तृप्ति डिमरी 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत ही घबरा गई थीं। तृप्ति ने कहा, मैं घबरा गई थी। तीन दिनों तक मैं एक ही चीज पर रुकी हुई थी। हमने पहले गाना शूट किया। मैंने विक्की से ठीक से बात भी नहीं कि क्योंकि मैं उनकी परफॉर्मेंस देखकर घबरा गई थी। निर्देशक के साथ घुलने मिलने में मुझे 5-10 दिन लग गए थे।

परी ने जताई 'अमर सिंह चमकीला' दोबारा शूट करने की इच्छा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने फिल्म अमर सिंह चमकीला में दोबारा काम करने की इच्छा जताई है। फिल्म में परिणीति के साथ दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इसी फिल्म को लेकर परिणीति ने अब एक पोस्ट किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अपने दमदार अभिनय से अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया था। साल 2024 में आई फिल्म अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ के साथ काम किया था। इस फिल्म को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में परिणीति ने अमरजोत कौर का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। फिल्म में परिणीति के साथ दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इसी फिल्म को लेकर परिणीति ने अब एक पोस्ट किया है। अमर सिंह चमकीला फिल्म में परिणीति दोबारा काम करना चाहती हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उन्होंने एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली को टैग करके दोबारा इस फिल्म के लिए काम करने की इच्छा जताई है। इस पोस्ट में रियर लाइफ अमर सिंह चमकीला की पोस्ट को टैग किया गया है। परिणीति ने लिखा, उफ्फ, क्या हम यह फिल्म दोबारा शूट कर सकते हैं।

मन की बात...

शाहरुख खान बोले- मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता

हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अब हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेता से पूछा कि क्या वह कभी अपार्टमेंट में जाने के बारे में क्यों नहीं सोचते। इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने जो जवाब दिया, वह लोगों का दिल जीत रहा है। हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, 卐आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, हो ही नहीं सकता ना, क्योंकि मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता। मैं एक्टर्स की सीलिंग हूं, दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। करण जौहर ने शाहरुख से पूछा कि उनके जाने के बाद रोमांस का क्या होगा। अभिनेता ने चुटकी लेते हुए कहा, रोमांस मेरे साथ ही खत्म हो जाएगा। इसके बाद कैमरा अभिनेत्री रानी मुखर्जी पर जाता है, जो लंबे समय से उनकी सहयोगी और करीबी दोस्त हैं, जो उनके बयान पर खुशी जताती नजर आती हैं। इसके बाद फिल्म निर्माता शाहरुख खान से पूछते हैं कि क्या उन्हें लगता है कि वह एक अच्छे डांसर हैं, जिस पर सुपरस्टार कहते हैं, मुझे डांसिंग की जरूरत नहीं पड़ती, पूरी फिल्म इंडस्ट्री मेरे उंगलियों पर नाचती है।

पत्नी ने पुलिस में दर्ज कराई गुमशुदगी, कुछ देर बाद आई मौत की सूचना

सामाजिक कार्यकर्ता ने सुसाइड नोट घर पर छोड़ा, ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित कौशल नगर के पीछे रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह एक युवक की क्षत विक्षत लाश बरामद की गई। युवक की पहचान सलैया में रहने वाले एक सख्श के रूप में कर ली गई। वे सुबह करीब साढ़े 6 बजे घर से बाइक लेकर निकले थे। घर से निकलने से पूर्व उन्होंने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था, जिसमें तनाव से परेशान होने का जिक्र किया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जावेद अनीश पिता मोहम्मद अनीश (43) आकृति ग्रीन कॉलोनी, सलैया में रहते थे। वे लंबे समय से एक एनजीओ के लिए काम कर रहे थे। उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि जावेद प्रतिदिन सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकलते थे। मंगलवार सुबह भी वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे।

सुसाइड नोट देख घबरा गई पत्नी

जावेद की पत्नी की नींद सुबह खुली तो उन्होंने कमरे में एक सुसाइड देखा। सुसाइड नोट में जावेद में लिखा था कि मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। मैं तनाव में हूं। माता पिता की सेवा नहीं कर सका। जो भी कर रहा हूं उसका जिम्मेदार मैं स्वयं हूं। पत्नी ने जावेद के मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन उनका मोबाइल बंद हो चुका

था। वह बाहर निकली तो जावेद की बाइक भी नहीं दिखी। वह तत्काल मिसरोद थाने पहुंची और वहां जावेद की गुमशुदगी दर्ज कराई। सुबह करीब साढ़े 11 बजे मिली पुलिस को सूचना

पत्नी ने जावेद की भी शिनाख्त कर ली

गुमशुदगी दर्ज करने के बाद पुलिस जावेद के बारे में जानकारी जुटा रहे थे। इसी बीच पुलिस को स्टेशन मास्टर अनिल दुबे ने बताया कि कौशल नगर में रेलवे ट्रैक पर किसी युवक ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो रेलवे ट्रैक से कुछ दूरी पर पुलिस को बाइक नजर आई। पुलिस ने जावेद की पत्नी को मौके पर बुलाया तो उन्होंने बाइक की पहचान कर ली। मृतक के कपड़े देखने के बाद पत्नी ने जावेद की भी शिनाख्त कर ली।

आटो की टक्कर से बाइक सवार नाबालिग की मौत, बहन घायल हनुमान मंदिर के पास हुआ हादसा

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित कल्याण नगर में मंगलवार सुबह बहन को परीक्षा दिलाने ले जा रहे नाबालिग की बाइक को आटो ने टक्कर मार दी। इस हादसे में नाबालिग समेत उसकी बहन घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने नाबालिग को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आटो चालक पर मामला दर्ज करते हुए उसका आटो जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार निखिल कुशवाह पिता धनीराम कुशवाह (16) सेमरा गेट के पास चांदबड़ बजरिया में रहता था। वह दसवीं कक्षा का छात्र था। मंगलवार सुबह वह अपनी बहन को परीक्षा दिलाने के लिए बायपास स्थित कॉलेज ले जा रहा था। बहन भाई कल्याण नगर छोला तक पहुंचे ही थे कि सुबह करीब सवा 8 बजे के आसपास उनकी बाइ को आटो ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार बहन भाई सड़क पर गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने निखिल को मृत घोषित कर दिया। रुकमणि को चोट होने के कारण उसका इलाज चल रहा है।

डीसीपी मुख्यालय ने किया जनरल परेड का निरीक्षण, पुलिस ने लाइन में हुआ परेड का आयोजन

भोपाल। पुलिस की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनाने तथा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों में अनुशासन, उनकी फिटनेस और मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में रक्षित केन्द्र भोपाल में मंगलवार सुबह जनरल परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय श्रद्धा तिवारी ने जनरल परेड की सलामी ली और परेड का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों की वेशभूषा को चेक किया। इस दौरान अच्छी, व्यवस्थित व साफ सुथरी वेशभूषा वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया एवं अव्यवस्थित व खराब वेशभूषा वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को चेतावनी दी गई।

उसके बाद डीसीपी ने शासकीय वाहनों का निरीक्षण किया। परेड में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों सहित थाना प्रभारियों ने भी स्कॉट ड्रिल, कदमताल आदि का अभ्यास किया। जनरल परेड में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय नीतू ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महावीर सिंह मुजाल्दे, सहायक पुलिस आयुक्त, थानों के थाना प्रभारी, रक्षित निरीक्षक, सूबेदार सहित विभिन्न पुलिस थानों व यातायात एवं रक्षित केन्द्र के करीब 400 पुलिस अधिकारी, कर्मचारी शामिल हुए।

अपराध रोकने पुलिस को दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रशिक्षित पुलिसकर्मी करेंगे सायबर अपराध से जुड़े जांचकर्ताओं की मदद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर अपराधों की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आगामी समय में आने वाली साइबर चुनौतियों से निपटने राजधानी के सभी 37 थानों में 1 दिसंबर से साइबर हेल्प डेस्क शुरू की गई है। डेस्क पर 5 लाख रुपए तक के मामलों की शिकायत की जा सकती है। साइबर हेल्प डेस्क को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। प्रशिक्षित पुलिसकर्मी जांचकर्ता की मदद करेंगे। इसके लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसीपी क्राइम ब्रांच अखिल पटेल ने बताया कि सायबर क्राइमआने वाले समय में पुलिस और आमजनों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनेगी। सायबर ठग दिनों-दिन विभिन्न तरीकों से आमजनों को ठग रहे हैं। थानों में प्राप्त शिकायत पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही कर पीड़ित की मदद करें। कार्यकुशलता का उपयोग करते हुए तकनीकी नॉलेज के आधार पर इनवेस्टिगेशन करें।

जरूरत पड़ने पर सायबर तकनीकी टीम या सायबर फोरेंसिक लैब की मदद लें। प्रशिक्षण में एडिशनल डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने सायबर क्राइम अनुसंधान में आने वाली तकनीकी दिक्कतें, दीगर प्रदेशों से समन्वय तथा अनुसंधान के दौरान एकत्रित किए जाने वाले डिजिटल साक्ष्य, दस्तावेज इत्यादि के सम्बंध में सारगर्भित मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षित पुलिसकर्मी करेंगे मदद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता, तकनीकी नॉलेज बढ़ाने एवं उत्कृष्ट अनुसंधान हेतु नगरीय पुलिस भोपाल के 37 थानों के निरीक्षक से आरक्षक स्तर के लगभग 400 अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्व में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में एनसीसीआरपी, जेएमआईएस एवं सीईआईआर पोर्टल तथा सायबर क्राइम की रोकथाम, टेक्निकल एनॉलिसिस, पब्लिक अवेयरनेस, इन्वेस्टिगेशन इत्यादि से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

इस प्रकार रोंके सायबर क्राइम

अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के लिए मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें। दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें, जो आपके अकाउंट्स की सुरक्षा को बढ़ाता है। अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर वायरस स्कैनर सॉफ्टवेयर का उपयोग करें। केवल सुरक्षित वेबसाइट्स पर ही जाएं। सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और अज्ञात लोगों से दोस्ती न करें। अपने बैंक अकाउंट्स, क्रेडिट कार्ड अकाउंट्स और अन्य ऑनलाइन अकाउंट्स की नियमित रूप से जांच करें। यदि आपको लगता है कि आपके साथ सायबर अपराध हुआ है, तो तुरंत पुलिस या सायबर सेल को रिपोर्ट करें।

इस प्रकार की गलती नहीं करें

अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें, क्योंकि वे मैलवेयर या फिशिंग हमलों का कारण बन सकते हैं। ऑनलाइन अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, जैसे कि आपका पता, फोन नंबर या बैंक खाते का विवरण। अज्ञात ईमेल्स का जवाब नहीं दें। अज्ञात सॉफ्टवेयर डाउनलोड नहीं करें।

मासूम के पहले जन्मदिन पर मां ने लगाई थी फांसी पिता पर प्रकरण दर्ज

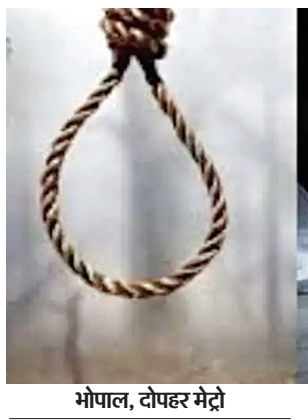

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी हज्जाम ने गत 30 नवंबर को नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली?थी। मर्ग जांच और परिजन के बयान के बाद पुलिस ने पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार अंगूरी बाई पति जितेंद्र अहिरवार (25) मूलत गांव टोरनिया, दौराहा, जिला सीहोर की रहने वाली थी। करीब ढाई साल पहले उसकी शादी बरखेड़ी हज्जाम निवासी जितेंद्र अहिरवार से हुई थी। जितेंद्र खेती किसानी करता है। जितेंद्र का बड़ा भाई बबलू अहिरवार गांव का चौकीदार है। उसने पुलिस को बताया कि शनिवार 30 नवंबर की शाम वह और भाई बाहर थे। घर पर मां और बहू अंगूरी बाई अकेली थी। मां अपने कामकाज कर रही थी, तभी शाम करीब चार बजे के आसपास अंगूरी बाई ने अंदर कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही मां ने बबलू और जितेंद्र को घटना की जानकारी दी थी। वे घर पहुंचते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पति की प्रताड़ना से दुखी होकर शादी के ढाई साल बाद ही नव विवाहिता ने कर ली थी आत्महत्या

एक दिन बाद ही था बेटा का जन्मदिन

बबलू ने पुलिस को बताया कि अंगूरी बाई और जितेंद्र का एक साल का बेटा है। रविवार को बेटे का पहला जन्मदिन था। इससे पूर्व ही बहू अंगूरी बाई ने अपने कमरे में फांसी लगा ली।

विभिन्न स्थानों से दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल। विभिन्न इलाकों से बदमाश कई दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। टीटी नगर पुलिस के मुताबिक आकाश भोई (21) सर्वधर्म कालोनी कोलार रोड पर रहता है और सेंटिंग का काम करता है। पिछले दिनों उसने जीटीबी काम्पलेक्स में अपनी बाइक खड़ी की और सामान खरीदने के लिए न्यू मार्केट चला गया। कुछ देर बाद वापस लौटा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इधर कुरावर जिला राजगढ़ निवासी मनोज कुमार विजय नगर लालघाटी में रहता है। गत दिवस उसके चाचा का लड़का अनिल वर्मा देवास से भोपाल आया था। उसने अपनी बाइक मनोज के घर के सामने खड़ी की और कुरावर चला गया। शाम को मनोज ने देखा तो उसकी बाइक गायब थी। इसी प्रकार जहांगीराबाद स्थित सेंटर पाइंट जिंसी से आसिम कुमार, ग्राम खेजड़ा छोला मंदिर से विष्णु प्रसाद और नजीराबाद में रहने वाले रामजीवन मीना की घर के सामने खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

देहात पुलिस ने की कॉम्बिंग गश्त, वारंटी गिरफ्तार

80 पुलिस कर्मचारियों ने रात को इलाका खंगाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एसपी देहात प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर देहात के सभी सात थानों में काम्बिंग गश्त की गई। एसडीओपी बैरसिया, ईंटखेड़ी और बिलखिरिया ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस बल के साथ आवस्यक ब्रीफिंग करने के बाद क्षेत्र में रवाना किया। इस दौरान करीब 80 पुलिस कर्मचारियों ने रात को अपने इलाकों में काम्बिंग गश्त की।

वरिष्ठ अधिकारी इस कार्रवाई पर सतत निगरानी बनाए रखे और आवश्यक दिशा निर्देश

देते रहे। काम्बिंग गश्त के दौरान कुल 23 स्थाई वारंट, 47 गिरफ्तारी वारंट और 67 जमानती वारंटों की तामीली की गई। इसके साथ ही 43 जिलाबदर बदमाश, हिस्ट्रीशीटर और गुंडों को चैक किया गया। साथ ही एक माइनर एक्ट की कार्रवाई की गई। एसपी देहाद सिन्हा ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई से गुंडे-बदमाशों में पुलिस का खौफ, जबकि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा। इस कार्रवाई से न्यायालय में लंबित प्रकरणों के निराकरण में भी मदद मिलेगी, जिससे पीड़ितों को न्याय मिल सकेगा।

मेट्रो एंकर हम होंगे कामयाब अभियान का डीजीपी ने किया समापन

मैराथन में शामिल हुए 25 विभागों के 1500 प्रतिभागी, महापौर ने किया शुभारंभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला एवं बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने प्रदेशव्यापी जन जागरुकता अभियान हम होंगे कामयाब का संचालन किया गया। मध्यप्रदेश शासन द्वारा हम होंगे कामयाब जागरुकता अभियान के अंतर्गत लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए एक विशेष मैराथन दौड़ आयोजित की गई। यह आयोजन मंगलवार को मानव अधिकार दिवस के अवसर पर महिला सुरक्षा शाखा पुलिस मुख्यालय द्वारा किया गया।

दौड़ का शुभारंभ सुबह साढ़े 9 बजे न्यू रविन्द्र भवन के सामने स्थित ग्राउंड से महापौर मालती राय तथा समापन प्रात- 11 बजे बोट क्लब पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने किया। इस मैराथन में पुलिस विभाग सहित शासन के 25 विभागों, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, और एनजीओ के सदस्य समेत लगभग 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

देश में पहली बार इतने विभागों और एनजीओ तथा समाज की सहभागिता रही। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे 16 दिवसीय लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए हम होंगे कामयाब जागरुकता अभियान 25 नवंबर से चलाया जा रहा है। जागरुकता अभियान में शासन के 25 विभाग शामिल थे।

इस अभियान का उद्देश्य जेंडर आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए जागरुकता फैलाना और समानता व मानव अधिकारों को बढ़ावा देना है। यह पहल समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

घर से करें लैंगिग समानता की शुरुआत

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के प्रति संकल्पबद्धता, यह एक अत्यंत प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषय है। आज, जब हम इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह याद करना जरूरी है कि 40-45 साल पहले ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग बहुत कम थी, जो आज की तुलना में आश्चर्यजनक लगती है।

इंटरनेट और तकनीकी विकास ने पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ दिया है, लेकिन इसके सकारात्मक परिणामों के साथ-साथ इसके कई नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। आज इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री, दुर्भाग्य से मोबाइल उपकरणों में भी आसानी से सकुर्लेट हो जाती है।

इससे विकृत मानसिकता वाले व्यक्तियों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, जिससे महिलाओं और बच्चियों के प्रति उनकी सोच में नकारात्मक परिवर्तन आता है। यह कई बार छेडखानी से लेकर गंभीर अपराधों तक की परिणिति बनता है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा शाखा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय लैंगिक हिंसा उन्मूलन दिवस के तहत 15 दिवसीय अभियान का लक्ष्य जेंडर आधारित हिंसा का पूर्ण उन्मूलन है, जिसे 2030 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया गया है।

इस अभियान के दौरान, पूरे प्रदेश में विभिन्न विभागों द्वारा जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि महिला बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा यूएन विमेन और आप सभी के सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। यह अभियान यहीं समाप्त नहीं होता, बल्कि इसे आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022